घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 212- बुधवार 03 - जून 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

सीजेआई ने पांच नए जजों को दिलाई शपथ

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 37 हुई

नई दिल्ली,02 जून 2026। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट के पांच नए जजों को पद की शपथ दिलाई। जस्टिस शील नागू, श्रीचंद्रशेखर, संजीव सचदेवा,अरुण पल्ली,और साथ ही वरिष्ठ वकील वी.मोहना ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर केंद्र सरकार द्वारा उनकी नियुक्तियों को मंजूरी दिए जाने के बाद सर्वोच्च न्यायालय के जज के तौर पर शपथ ली। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 37 हो गई है। 22 मई और 27 मई को हुई बैठकों में कॉलेजियम की सिफारिशों पर केंद्र सरकार ने सोमवार को चार हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीशों और वरिष्ठ वकील मोहना को सुप्रीम कोर्ट में पदोन्नत करने की मंजूरी दी। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में बताया कि राष्ट्रपति ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) से सलाह-मशविरा करने के बाद,जस्टिस शील नागू,जस्टिस श्री चंद्रशेखर, जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस अरुण पल्ली, और साथ ही वरिष्ठ वकील वी. मोहना को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया है। कॉलेजियम ने सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर एक बयान में बताया कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने 22 और 27 मई को हुई

बैठकों में, निम्नलिखित व्यक्तियों को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के तौर पर पदोन्नत करने की सिफारिश की है। जस्टिस नागू को मई 2011 में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और जुलाई 2024 में उन्होंने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभाला। जस्टिस चंद्रशेखर को जनवरी 2013 में झारखंड हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया था और जनवरी 2025 में उन्होंने बॉम्बे हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश का पदभार संभाला। जस्टिस सचदेवा को अप्रैल 2013 में दिल्ली हाई कोर्ट का अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किया गया था और मार्च 2015 में वे स्थायी न्यायाधीश बन गए। जुलाई 2025 में वे मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने। जस्टिस पल्ली को दिसंबर 2013 में पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का न्यायाधीश बनाया गया था और अप्रैल 2025 में उन्हें जम्मू और कश्मीर और लद्दाख हाई कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया। वरिष्ठ वकील वी. मोहना सुप्रीम कोर्ट में वकालत कर रही हैं और उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में कई संवैधानिक, दीवानी और सेवा कानून से जुड़े मामलों को संभाला है।

जम्मू के किश्तवाड़ में 2 जगह बादल फटा राजस्थान-मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश से 5 मौतें

नई दिल्ली,02 जून 2026। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में मंगलवार को दो जगह बादल फटे है। पहला बादल सरथल के गहन इलाके में और दूसरा माछीपाल क्षेत्र में फटा है। कुछ इलाकों में लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हो गई है।

अधिकारियों के मुताबिक, फिलहाल किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। पुलिस, रेड क्रॉस,राजस्व विभाग और अन्य एजेंसियों की टीमें मौके पर भेजी गई हैं। सांसद और केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने बताया कि स्थानीय लोगों से लगातार संपर्क किया जा रहा है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मदद पहुंचाई जा सके। इधर, राजस्थान और मध्य प्रदेश में आंधी-बारिश से 5 लोगों की मौत हो गई। एमपी के नीमच में सोमवार रात मकान की छत ढहने से मां-बेटे की मौत हो गई। वहीं, राजस्थान के जैसलमेर और बाड़मेर में दीवार ढहने से दो बच्चों सहित 3 लोगों की जान चली गई।

'कर्तव्य भवन' में राजनाथ सिंह से मिले नए सीडीएस और नौसेना प्रमुख

इस साल के अंत तक पूरी तरह बदल जाएगा भारतीय सशस्त्र बलों का शीर्ष नेतृत्व....

नई दिल्ली,02 जून 2026। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) और नौसेना प्रमुख बदलने के बाद इस साल के अंत तक भारतीय सशस्त्र बलों का शीर्ष नेतृत्व पूरी तरह बदल जाएगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मंगलवार को 'कर्तव्य भवन' में देश के नए चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल एनएस राजा सुब्रमणि और नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने मुलाकात की। दोनों ही अधिकारियों ने 31 मई को अपने-अपने पद संभाले हैं। देश के तीसरे चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) के तौर पर कार्यभार संभालने वाले जनरल एनएस राजा सुब्रमणि ने कहा कि सशस्त्र बलों में बदलाव के लिए संगठनात्मक सुधार पर मुख्य फोकस होगा। आत्मनिर्भरता हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्रीय स्तंभ है। हम अपने सशस्त्र बलों के लिए स्वदेशी हथियारों का विकास करके उन्हें सेवा में तेजी से शामिल करेंगे। इसी तरह नए नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने कहा,'मैं अपनी जिन्दगी का हर एक दिन नौसेना को बेहतर,मजबूत, तेज और ज्यादा असरदार बनाने में लगाऊंगा,ताकि यह राष्ट्रीय सुरक्षा, राष्ट्रीय विकास के हितों की सेवा कर सके। मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी कि भारतीय नौसेना ऑपरेशनल तैयारी और लड़ाई में असरदार होने का सबसे ऊंचा लेवल बनाए रखे, ताकि वह देश की सुरक्षा और आर्थिक हितों की रक्षा कर सके।''नए सीडीएस जनरल सुब्रमणि मौजूदा सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ

मार्शल एपी सिंह से जूनियर हैं, लेकिन अब पदानुक्रम में सबसे आगे हैं। जनरल उपेंद्र द्विवेदी आर्मी चीफ पद से इसी महीने के आखिर में रिटायर हो रहे हैं, लेकिन एयर चीफ के पास अभी 5 महीने बाकी हैं। शीर्ष अधिकारियों में फेरबदल बेशक इस उम्मीद में किया जाना है कि मौजूदा सिस्टम जारी रहेगा और प्रस्तावित इंटीग्रेटेड थिएटर कमांड तब तक चालू नहीं होंगे। अगर थिएटर कमांड जल्द ही शुरू हो जाते हैं, तो भारत के सैन्य पदानुक्रम में कई बदलाव, प्रमोशन और फेरबदल होने की संभावना है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) चेयरमैन डॉ. समीर वी. कामथ भी रिटायर हो रहे हैं। कामत ने अगस्थ 2022 में डीआरडीओ के अध्यक्ष के रूप में कार्यभार संभाला था। उन्हें केंद्र सरकार ने 2024, 2025 और 2026 में डीआरडीओ अध्यक्ष के रूप में लगातार एक-एक वर्ष का विस्तार दिया है, लेकिन अब उनका सेवानिवृत होना तय है।

वडोदरा के वरिष्ठ भाजपा विधायक योगेश पटेल का निधन,8 बार रहे विधायक

वडोदरा,02 जून 2026। गुजरात के वडोदरा जिले की मांजलपुर विधानसभा सीट से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और विधायक योगेशभाई नारायणदास पटेल का आज मंगलवार को निधन हो गया। वह पिछले एक सप्ताह से एक निजी अस्पताल में उपचाराधीन थे। वे लंबे समय से हृदय एवं अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। योगेश पटेल के निधन से राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। योगेश पटेल वडोदरा की राजनीति में एक मजबूत और प्रभावशाली नेता के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने वर्षों तक रावपुरा और मांजलपुर क्षेत्र की जनता की सेवा की तथा वडोदरा के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके निधन से गुजरात की राजनीति ने एक अनुभवी और जनप्रिय नेता को खो दिया है। उन्हें 8 बार विधायक बनने का गौरव हासिल था। वे वर्ष 1990 में जनता पार्टी के टिकट पर पहली बार विधायक निर्वाचित हुए। वर्ष 1995 में भाजपा में शामिल हुए। इसके बाद रावपुरा विधानसभा सीट से 5 बार विधायक बने। मांजलपुर विधानसभा सीट से लगातार 3 बार चुनाव जीते। कॉलेज के दिनों में योगेश पटेल ने महंगाई, दूध और खाद्य तेलों की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कई आंदोलन किए। उस समय स्कूलों में बढ़ती फीस और कथित अनियमितताओं के विरोध में उन्होंने विद्यार्थी हितरक्षक समिति का गठन किया और व्यापक आंदोलन चलाया। उनके आंदोलनों की गूंज दिल्ली तक पहुंची, जिसके बाद सरकार को फीस नियमन से संबंधित कानून बनाने की दिशा में कदम उठाने पड़े।

द्विशा शर्मा मौत मामला : पति समर्थ और सास गिरिबाला सिंह को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा...

भोपाल,02 जून 2026। मध्य प्रदेश की चर्चित अभिनेत्री और मॉडल द्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में मंगलवार को सीबीआई ने 5 दिनों की रिमांड अवधि खत्म होने पर दोनों आरोपितों पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को भोपाल की सीजेएम विशेष अदालत में पेश किया। जहां अदालत ने उन्हें 16 जून तक न्यायिक हिरासत में भोपाल सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया। दरअसल, सोमवार को सीन रीक्रिएशन के बाद आज मंगलवार को सीबीआई ने 5 दिनों की रिमांड अवधि खत्म होने पर पति समर्थ सिंह और सास गिरिबाला सिंह को भोपाल की सीजेएम विशेष अदालत में पेश किया। सीबीआई की ओर से आगे की पुलिस रिमांड न मांगे जाने पर न्यायालय ने दोनों आरोपितों को 14 दिन की न्यायिक हिरासत के तहत 16 जून तक भोपाल सेंट्रल जेल भेजने का आदेश दिया। सुरक्षा कारणों के मद्देनजर दोनों को जेल में अन्य सामान्य कैदियों से अलग बैरक में रखा जाएगा। सुनवाई के दौरान अदालत कक्ष के भीतर दोनों पक्षों के वकीलों के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। आरोपित पूर्व जिला जज गिरिबाला सिंह ने अदालत के समक्ष ट्विशा के वकील अनुराग श्रीवास्तव पर बेहद गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जब समर्थ को जबलपुर अदालत में पेश किया गया था, तब वकील अनुराग श्रीवास्तव ने उनके बेटे समर्थ के साथ मारपीट की थी।

केंद्र सरकार ने आप्रवास और विदेशियों के नियमों को किया अधिसूचित,प्रक्रिया में कई बदलाव

नई दिल्ली,02 2026। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने आप्रवास और विदेशियों के नियमों में संशोधनों का नोटिफिकेशन जारी किया है। इसके तहत यह अनिवार्य किया गया है कि भारत में 180 दिनों तक के वीजा पर आने वाले विदेशियों को, अगर वे देश में अपना प्रवास बढ़ाना चाहते हैं, तो अपने वीजा की अवधि समाप्त होने से पहले ही अपना पंजीकरण करवाना होगा। 1 जून की राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से अधिसूचित ये संशोधन नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।'आप्रवास और विदेशियों विषयक नियम-2026' के तहत विदेशियों के पंजीकरण की प्रक्रिया, भारतीय माता-पिता वाले बच्चों से जुड़े प्रावधानों,आपातकालीन पंजीकरण मामलों और अपील तंत्र में महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इस संशोधन के अनुसार, भारत में आगमन के 180 दिन पूरे होने से पहले कभी भी पंजीकरण कराया जा सकता है। पहले,180 दिन की अवधि समाप्त होने के 14 दिनों के भीतर पंजीकरण कराना अनिवार्य था।

मदर डेयरी ने लॉन्च किया भारत का पहला मिट्टी में घुलनशील दूध पाउच,पर्यावरण को मिलेगी राहत

नई दिल्ली,02 जून 2026। मदर डेयरी ने पर्यावरण और स्थिरता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए एक नए तरह का दूध पाउच पेश किया है। यह पाउच मिट्टी में प्राकृतिक रूप से सड़ जाएगा। कंपनी ने मंगलवार को इसकी घोषणा की। यह भारत का पहला ऐसा दूध पाउच है जो मिट्टी में प्लास्टिक का कोई निशान नहीं छोड़ेगा। कंपनी 5 जून,विश्व पर्यावरण दिवस से दिल्ली-एनसीआर में इसका उपयोग करेगी। यह शुरुआत में गाय के दूध के लिए होगा। मदर डेयरी नेशनल डेयरी डेवलपमेंट बोर्ड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। कंपनी प्रतिदिन लगभग 55 लाख लीटर दूध की आपूर्ति करती है। नए पाउच में एक अनूठी पैकेजिंग

तकनीक का उपयोग किया गया है। यह सामग्री बायोउपलब्ध मोम में बदल जाती है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्मजीव इसे प्राकृतिक तत्वों में तोड़ देते हैं। एनडीडीबी के अध्यक्ष मीनेश शाह ने बताया कि यह पैकेजिंग कुछ वर्षों में मिट्टी में सड़ जाएगी। इससे उपभोक्ता दूध की कीमतों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। मीनेश शाह ने कहा कि मदर डेयरी ग्रह की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल क्षेत्र की नेतृत्व क्षमता को दर्शाती है। यह भविष्य के लिए तैयार और टिकाऊ पारिस्थितिकी तंत्र के प्रति समर्पण है। मदर डेयरी के प्रबंध निदेशक जयतीर्थ चारी ने बताया कि इस पाउच को विकसित करने में चार साल से अधिक का शोध लगा। इसका उद्देश्य पर्यावरण में प्लास्टिक का कोई निशान न छोड़ना है।

रीसाइकिल योग्य और विविध उत्पाद पोर्टफोलियो

ये दूध पाउच रीसायकिल योग्य बने रहेंगे। इनकी मुख्य विशेषता प्राकृतिक तत्वों में विघटित होने की क्षमता है। यह प्लास्टिक की चुनौती से निपटने में मदद करेगा। मदर डेयरी 1974 में स्थापित हुई थी और दूध व दूध उत्पादों का उत्पादन करती है। इसमें दही, आइसक्रीम, पनीर और घी शामिल हैं। कंपनी धारा ब्रांड के तहत खाद्य तेल और सफल ब्रांड के तहत फल, सब्जियां व स्नैक्स भी बेचती है।

जयशंकर ने दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति माशाटाइल से की मुलाकात

नई दिल्ली,02 जून 2026। विदेशमंत्री डॉ. एस जयशंकर ने मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति शिपोकसा पॉलस माशाटाइल से मुलाकात की। इस दौरान दक्षिण अफ्रीका के प्रतिनिधिमंडल और भारतीय पक्ष के बीच दिल्ली में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों पर विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), डिजिटल अवसंरचना तथा रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। विदेशमंत्री ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच लंबे समय से चले आ रहे मैत्रीपूर्ण संबंधों का उल्लेख करते हुए साझेदारी को और गहरा करने के लिए दक्षिण अफ्रीका की मजबूत प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने कहा कि व्यापार, निवेश, डिजिटल और बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में दोनों देशों के लिए व्यापक संभावनाएं मौजूद हैं।

गुजरात में 2 बसों की टक्कर में 7 की मौत

10 से ज्यादा घायल,डिवाइडर क्रॉस कर एक बस से दूसरी टकराई

सूरत,02 जून 2026। गुजरात के सूरत जिले के बारडोली के निकट उवा गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर मंगलवार शाम एक महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम (एसटी) की दो बसों के बीच हुई भीषण टक्कर के बाद एक बस में आग लग गई, जिससे सात यात्रियों की मौत हो गई जबकि कई लोग घायल हो गए। अभी मृतकों और घायलों की शिनाख्त नही हो सकी है। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गयी। बताया जा रहा है कि इस हादसे का कारण हाइवे पर एक टैंकर का पलटना बना। इस टैंकर को बचाने के प्रयास में पीछे से आ रही महाराष्ट्र परिवहन निगम की एक बस के चालक ने अपने वाहन से नियंत्रण खो दिया। उसकी अनियंत्रित बस डिवाइडर पार कर विपरीत दिशा की लेन में पहुंच गई और सामने से आ रही दूसरी एसटी बस से उसकी जोरदार टक्कर हो गई। यह टक्कर इतनी भीषण थी कि एक बस पलट गई। दुर्घटनाग्रस्त बसों में से एक सीएनजी संचालित थी, जिसके कारण टक्कर के कुछ ही क्षण बाद उसमें आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को

अपनी चपेट में ले लिया। कई यात्री बस में फंस गए, जबकि अन्य यात्रियों ने किसी तरह बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू करने के साथ ही फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकाला गया और घायलों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया। इस बाबत सूरत के कलेक्टर तेजस पटेल ने सात लोगों की मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि प्रशासन की पहली प्राथमिकता घायलों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना है ताकि मृतकों की संख्या न बढ़े।

कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में आज शपथ लेंगे डी.के. शिवकुमार

बेंगलुरु,02 जून 2026। कर्नाटक की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। राज्य के मनोनीत मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार बुधवार को बेंगलुरु स्थित लोक भवन में मुख्यमंत्री पद एवं गोपनीयता की शपथ लेंगे। राज्यपाल थावर चंद गहलोत उन्हें शाम 4:05 बजे शपथ दिलाएंगे। इस बहुप्रतीक्षित समारोह को लेकर राजधानी में व्यापक तैयारियां की गई हैं और सुरक्षा व्यवस्था को अभूतपूर्व रूप से मजबूत किया गया है। राज्य सरकार और प्रशासन की ओर से समारोह को भव्य बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री के साथ मंत्रिपरिषद के

कुछ सदस्य भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ले सकते हैं। हालांकि मंत्रिमंडल के अंतिम स्वरूप को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। समारोह में कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी रहने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय नेता कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। राज्य सरकार की ओर से वीआईपी अतिथियों के लिए निमंत्रण पत्र वितरित किए जा चुके हैं। लगभग 800 विशिष्ट अतिथियों को समारोह में आमंत्रित किया गया है, जबकि 2,200 से अधिक प्रवेश पास जारी किए गए हैं। बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों और विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों के भी कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है।

ओएसएम सिस्टम पर विवाद के बीच सीबीएसई के चेयरमैन और सचिव का तबादला,जांच समिति गठित

नई दिल्ली,02 जून 2026। सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली को लेकर उठे विवाद के बीच केंद्र सरकार ने मंगलवार को बड़ा प्रशासनिक कदम उठाया। सीबीएसई चेयरमैन और सचिव का तबादला कर दिया गया है। इसके अलावा ओएसएम सेवाओं की खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए एक विशेष जांच समिति भी गठित की गई है। यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब छात्रों, अभिभावकों और शिक्षा विशेषज्ञों की ओर से मूल्यांकन प्रक्रिया को लेकर लगातार सवाल उठाए जा रहे थे। संसद की शिक्षा, महिला, बाल, युवा एवं खेल संबंधी स्थायी समिति ने 2 जून को ही दोपहर में सीबीएसई की कक्षा 12 बोर्ड परीक्षाओं में लागू ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और कक्षा 9 एवं 10 में तीन-भाषा सूत्र के क्रियान्वयन की समीक्षा के लिए

एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। संसद भवन एनेक्सी में हुई इस बैठक में छात्रों,अभिभावकों और शिक्षा विशेषज्ञों द्वारा उठाई गई शिकायतों और चिंताओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का सबसे अहम मुद्दा कक्षा 12 की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन में अपनाई गई ऑन-स्क्रीन मार्किंग प्रणाली रही। इस व्यवस्था के तहत उत्तर पुस्तिकाओं को स्कैन कर डिजिटल रूप में परीक्षकों को उपलब्ध कराया जाता है, जिससे वे कंप्यूटर स्क्रीन पर उत्तरों का मूल्यांकन करते हैं।

प्रतिभा को केवल अवसर और मार्गदर्शन की जरूरत : राष्ट्रपति

नई दिल्ली,02 जून 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'जनजातीय गरिमा उत्सव' के अंतर्गत आयोजित 'नव भारत में बिरसा की जीवंत विरासत सप्ताह' के दौरान छात्रवृत्ति योजनाओं के लाभार्थियों से संवाद करते हुए कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल उसे खोजने, तराशने तथा उचित मार्गदर्शन और अवसर उपलब्ध कराने की है। यदि सही अवसर मिलें तो गांवों, दूरदराज के क्षेत्रों और जनजातीय अंचलों के युवा भी देश का नाम रोशन कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने जनजातीय युवाओं का आह्वान किया कि वे भगवान बिरसा मुंडा की विरासत से प्रेरणा लेकर विकसित भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं। राष्ट्रपति ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित विशेष संवाद कार्यक्रम में मंत्रालय की प्रमुख छात्रवृत्ति

योजनाओं के जनजातीय लाभार्थियों को संबोधित किया। यह कार्यक्रम 10 मई से 9 जून तक मनाए जा रहे 'जनजातीय गरिमा उत्सव' के तहत 'नए भारत में बिरसा की जीवंत विरासत सप्ताह' के दौरान आयोजित किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्री जुएल ओराम,जनजातीय कार्य राज्यमंत्री दुर्गादास उइके, राष्ट्रपति की सचिव दीप्ति उमाशंकर, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी तथा मंत्रालय की तीन प्रमुख छात्रवृत्ति योजनाएं अनुसूचित जनजातियों के लिए राष्ट्रीय अध्येतावृत्ति, जनजातीय विद्यार्थियों के लिए उच्चस्तरीय शिक्षा राष्ट्रीय छात्रवृत्ति और राष्ट्रीय विदेशी छात्रवृत्ति योजना के 200 चयनित लाभार्थी शामिल हुए। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्हें कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने यह बताया कि भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं ने किस प्रकार उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है और उन्हें अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान किया है। ऐसी सफलता की कहानियां देशभर के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। देश के दूरस्थ गांवों और जनजातीय अंचलों में प्रतिभाशाली युवाओं की कोई कमी नहीं है। आवश्यकता केवल यह सुनिश्चित करने की है कि उन्हें उचित मार्गदर्शन, सहयोग और मंच मिले। आज यहां उपस्थित विद्यार्थियों की उपलब्धियां इस बात का प्रमाण हैं कि अवसर मिलने पर जनजातीय समुदाय के युवा भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि शिक्षा सशक्तीकरण का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है। शिक्षा व्यक्ति को आत्मनिर्भर,जागरूक और सक्षम बनाती है तथा उसके जीवन की दिशा बदल सकती है। उनकी अपनी जीवन यात्रा में भी शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और इसी कारण वे जनजातीय समाज के लोगों को शिक्षा के महत्व के प्रति जागरूक करने का लगातार प्रयास करती हैं।

संपादकीय

अविश्वास से घिरती जा रहीं परीक्षाएं

देश में प्रश्नपत्रों का परीक्षा से पहले 'आउट' हो जाना लगभग सामान्य प्रक्रिया बन चुकी है। इसका विस्तार बोर्ड एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से लेकर सरकारी नौकरियों में नियुक्ति के लिए होने वाली परीक्षाओं तक फैल चुका है। सरकारी तंत्र ने अगले वर्ष के लिए सुधारों का आश्वासन दिया है। यह आवश्यक भी था, लेकिन जो अविश्वास पूरे देश में फैल चुका है,क्या उसका समाधान भी हो पाया है? अपराधियों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। कुछ लोग तो वर्षों से इस प्रकार के अवैध कार्यों को व्यवसाय की तरह संचालित करते रहे हैं। निश्चित रूप से उन्हें कहीं न कहीं से संरक्षण भी मिलता रहा होगा।

हर बार सरकारी तंत्र प्रश्नपत्र तैयार करने, उसे परीक्षा केंद्रों तक सुरक्षित पहुंचाने और परीक्षा प्रारंभ होने तक उसकी गोपनीयता बनाए रखने की व्यवस्था में सुधार करता है, लेकिन समस्या का एक बड़ा पक्ष ऐसा भी है, जिसे सभी जानते हैं, पर उसकी ओर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता। कुछ वर्ष पहले बिहार की एक बोर्ड परीक्षा के परिणामों को लेकर देशव्यापी चर्चा हुई थी। उस दौरान एक छात्रा का यह कथन व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर करने वाला था कि मैं तो सेकेंड डिवीजन में पास होना चाहती थी, चाचा ने टाप करा दिया। यह एक ऐसा संकेत था, जो समस्या के वास्तविक समाधान की दिशा दिखा सकता था।

हमें इस पर भी विचार करना होगा कि आखिर लीक हुए प्रश्नपत्र कौन खरीदता है? इसके लिए धन तो परिवार ही देता है और साल्वर, वह भी नीट जैसी परीक्षा में, कौन बन सकता है? कोई मेडिकल की पढ़ाई कर रहा छात्र या डाक्टर बन चुका सुशिक्षित व्यक्ति ही यह कार्य कर सकता है। क्या इस देश ने कभी नागरिकों को यह बताया कि किसी साल्वर को या बड़ी धनराशि देकर अपने लाड़लों के लिए प्रश्नपत्र खरीदने वाले परिवार के किसी सदस्य को क्या सजा मिली? इस प्रकार के मामलों और ऐसी अन्य कारगुजारियों में अपराधियों को दंडित करने के मामले में भारत इतना कमजोर क्यों है? या यूं कहें कि व्यवस्था इतनी शिथिल क्यों है? संविधान में मूलभूत कर्तव्य 42वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़े गए थे। यदि सरकार,शिक्षित वर्ग और समाज इनका पालन करते होते तो क्या प्रश्नपत्र लीक होते? आगे क्या केवल कानून बदलकर प्रश्नपत्र लीक को रोका जा सकेगा? व्यवस्था को लगातार सतर्क तो रहना ही होगा,लेकिन जब तक शिक्षा प्रत्येक व्यक्ति के भीतर मानवीय तत्व को जागृत करने में असमर्थ रहेगी, तब तक ऐसी आशंकाएं साकार होती रहेंगी और परीक्षाओं की साख पुनः स्थापित नहीं हो पाएगी। नीट के प्रश्नपत्र लीक मामले की जांच तेजी से चल रही है। यह स्पष्ट हो गया है कि जो लोग प्रश्नपत्र बनाने योग्य समझे गए थे, जो विशेषज्ञ माने जाते थे, वे अपेक्षित नैतिक स्तर पर खरे नहीं उतरे।

स्वतंत्रता के बाद के पहले कई दशकों तक परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक क्यों नहीं होते थे। वर्ष 1965-70 तक समाज में हर तरफ ऐसे लोग उपस्थित थे, जिन्होंने देश की आजादी के लिए त्याग किया था,तपस्या की थी और अपना सर्वश्रेष्ठ देश तथा उसके नागरिकों के लिए समर्पित कर दिया था। आज स्थिति कहां पहुंच गई है? सत्ता में पहुंचकर या व्यवस्था का अंग बनकर सामान्य जन को भूल जाना लगभग पूरी तरह स्वीकार्य हो चुका है। महात्मा गांधी का एक सूत्र-वाक्य लगभग हर विचार-विमर्श में दोहराया जाता है कि प्रकृति के पास सभी की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पर्याप्त संसाधन हैं, लेकिन किसी एक व्यक्ति के लालच की पूर्ति के लिए नहीं। क्या नीट परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने जैसी अनेक कष्टदायक घटनाओं के कारण इसी विचार में कहीं छिपे नहीं हैं? अंततः वह धन-लोलुपता ही है,जो एक अनुभवी अध्यापक को अपनी नैतिकता और कर्तव्यनिष्ठा को भुलाकर एक जघन्य सामाजिक अपराध की ओर धकेल देती है। यह उस शिक्षा-व्यवस्था और पाठ्यक्रम की भी असफलता है, जो विद्यार्थियों को परीक्षाएं तो उत्तीर्ण करा देता है,लेकिन शिक्षा के सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य-नैतिकता और मानवीय मूल्यों के साथ व्यक्तित्व-निर्माण में पूरी तरह असफल सिद्ध होता है। नैतिकता का ह्रास भारत के भविष्य पर सीधी चोट कर रहा है।

विज्ञान,तकनीक,अंतरिक्ष,एआइ और संचार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत के युवा किसी से पीछे नहीं हैं। फिर भी प्रश्न यह है कि हम परीक्षाओं को ईमानदारी और विश्वास के साथ संपन्न कराने में स्वयं को असमर्थ क्यों पाते हैं? एक महत्वपूर्ण पक्ष,जिस पर अपेक्षित चर्चा नहीं होती,वह है मनुष्य की बढ़ती स्वार्थपरकता, संग्रह की प्रवृत्ति और धन के निर्बाध दुरुपयोग का अहंकार। स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक इस विषय पर गंभीर वैचारिक मंथन की आवश्यकता है। ऐसी शिक्षा-पद्धति और विकल्पों की तलाश करनी होगी,जो केवल ज्ञान और कौशल ही नहीं,बल्कि नैतिकता से संपन्न व्यक्तित्व का भी निर्माण करें। साथ ही जनप्रतिनिधियों को भी अपने जीवन के लक्ष्यों,सामाजिक दायित्वों और जनहित की समझ पर निरंतर आत्ममंथन करते रहना होगा। केवल आर्थिक और तकनीकी प्रगति पर्याप्त नहीं है। यदि उसके साथ नैतिक विकास नहीं जुड़ा होगा तो समाज और राष्ट्र दोनों ही गंभीर चुनौतियों का सामना करते रहेंगे।

तेल कम,गैस फुल

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

अरे भाई,अपुन का भेजा एकदम कड़क चकरघिन्नी हो गया जब अपुन ने उस तेल की टपरी पे कदम रखा। लोग बोलते हैं दुनिया गोल है,अपुन बोलता है दुनिया जीरो है! जैसे ही अपुन अपनी खटारा स्कूटी लेकर गया, वो सेल्समैन ले का एकदम हीरो माफिक मुस्कराया और चबाते हुए गुटके को गाल में सेट करके बोला,भाई,मीटर पे जीरो देख लो! अपुन भी चौक में आकर कोहनी चमकाते हुए बोला, देख लिया भिडू,एकदम सन्नाटा पसरा है मीटर में। पर असली झोल तो उस जीरो के पीछे का 'मशाल' था बॉस। वो जीरो देखना ऐसा है जैसे क्लास के बायोडाटा में लड़के का संस्कारी होना देखना,अंदर से भाई साहब,साठ-सत्तर झोल की कोडिंग करके बैठे हैं। अपुन को लगा सिर्फ जेब ढीली होगी,पर यहाँ तो स्कूटी का इंजन ऐसे रो रहा था जैसे विदाई में दुल्हन की सहेलियाँ दहाड़ मारती हैं। तेल क्या डाला साला,लगा कि पेट्रोल में थम्स-अप और कफ सिरप मिलाकर पिला दिया गाड़ी को,पूरा सिस्टम ही हिल गया बॉस! अब सुनो उस पंप वाले के तिकड़मों का ऐसा कच्चा चिट्ठा कि सुनकर तुम्हारा भेजा फाई हो जाए। उनका पहला झोल तो हवा का रुख था,नोजल ऐसे पकड़ते हैं जैसे मोगैम्बो की बंदूक हो,आधा पेट्रोल तो भाप बनकर बादलों से वाट्सएप चैट करने निकल जाता है। वो जो मीटर का कांटा है ना,वो कसम से कतरी चूहे की तरह कुदकता है, सीधा अंक गायब कर देते हैं, जैसे क्लास से बैकबैंचर गायब होते हैं। असली तिकड़म वो तेल की डेंसिटी का मीटर है,जो हमेशा एक ही जगह पे ऐसे चिपका रहता है जैसे सरकारी दफ्तर में बाबू की कुर्सी फेविकोल से चिपकी हो। नोजल को टंकी में डालने के बाद वो ले का ऐसे खटका दबाता-छोड़ता है कि जैसे कोई डीजे डिस्को में रीमिक्स बजा रहा हो–कट,कट,कट! पेट्रोल की खुशबू भी ऐसी कि सूँघो तो चमे' के पुराने जूते की पॉलिश जैसी बास आती है, मिलावट का ऐसा क लेवल की केमिस्ट्री लैब का प्रोफेसर भी जहर खा ले। फिल्टर पेपर मांगने पे ऐसे मुंह बनाते हैं जैसे अपुन ने उनकी पुश्तैनी जायदाद मांग ली हो। कार्ड स्वाइप मशीन का नेटवर्क हमेशा उस वक्त कौवा उड़ हो जाता है जब आपकी जेब में छुट्टे पैसे नहीं होते। फिर वो राउंड फिगर का ऐसा खेल खेलते हैं कि अगर कुछ ऊपर का बिल हुआ, तो बोलेंगे मैडम,सर,टॉफी ले लो ना,चिल्लर नहीं है,जैसे बैंक के बदले चॉकलेट फैक्ट्री खोल रखी हो!

उनकी टंकी का ढक्कन खोलने की स्पीड इतनी बिजली जैसी होती है कि आपको लगे आप पेट्रोल पंप पे नहीं,पीसी सरकार के जादू के शो में बैठे हैं। नोजल से आखिरी बूंद टपकाने से पहले ही वो नली को ऐसे झटकते हैं जैसे धोबी घाट पे भीगा कपड़ा पछाड़ रहे हों,आधी बूंद वापस खींच के अपनी तिजोरी में डाल लेते हैं। प्रीमियम पेट्रोल का ऐसा झांसा देंगे कि सर,इसमें एक्स्ट्रा माइलेज का कैप्सूल मिक्स है,और साला वो एक्स्ट्रा माइलेज सिर्फ उनके बैंक बैलेंस को मिलता है,अपनी गाड़ी तो कछुए की चाल चलती है। डिजिटल मीटर की लाइट इतनी डिम रखते हैं कि रात को मोमबत्ती जलाकर सीआईडी के प्रद्युम्न की तरह दया को बुलाना पड़े। फ्री हवा भरने वाला कंप्रेसर हमेशा कल ही खराब हुआ है भाई के बोर्ड के साथ खर्राटे मार रहा होता है। जब आप कंप्लेंट बुक मांगो, तो वो ऐसे देखते हैं जैसे आपने उनकी दोनों किडनियाँ दान में मांग ली हों। नोजल का पाइप इतना लंबा रखते हैं कि आधा लीटर तेल तो साला उसी नली की अंतड़ियों में सोया रह जाता है। वो बिलिंग मशीन का कागज ऐसा होता है, जिसका प्रिंट दो मिनट बाद धूप लगते ही ऐसे गायब हो जाता है जैसे गधे के सिर से सींग! पेट्रोल का रंग कभी-कभी वो इतना सफेद रखते हैं कि लगता है भैंस का टोंड दूध डाल दिया हो,गाड़ी चलेगी नहीं बल्कि दही जमाएगी।

स्वस्थ जीवन एवं स्वस्थ पर्यावरण का आधार है साइकिल

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

हर वर्ष 3 जून को मनाया जाने वाला विश्व साइकिल दिवस केवल एक साधारण वाहन के सम्मान का अवसर नहीं है,बल्कि यह मानव स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण,सामाजिक समानता और सतत विकास के प्रति वैश्विक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन,प्रदूषण,बढ़ती बीमारियों और यातायात संकट जैसी चुनौतियों से जूझ रही है,तब साइकिल एक ऐसे सरल समाधान के रूप में उभरती है जो व्यक्ति,समाज और राष्ट्र-तीनों के लिए समान रूप से लाभकारी है। विश्व साइकिल दिवस 2026 की थीम 'हरियाली भरे भविष्य के लिए साइकिल चलाना' अत्यंत सार्थक और समयानुकूल है। यह थीम हमें याद दिलाती है कि यदि हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ,स्वस्थ और सुरक्षित पृथ्वी छोड़नी है,तो हमें अपने परिवहन के तौर-तरीकों में बदलाव लाना होगा और साइकिल को जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा।

साइकिल मानव सभ्यता के उन आविष्कारों में से एक है जिसने दो शताब्दियों से अधिक समय तक अपनी उपयोगिता बनाए रखी है। तकनीकी क्रांति के इस युग में भी इसकी प्रासंगिकता कम नहीं हुई है,बल्कि नई चुनौतियों के बीच इसका महत्व और बढ़ गया है। यह एक ऐसा वाहन है जो बिना पेट्रोल,डीजल या बिजली के चलता है,न कोई धुआँ छोड़ता है और न ही पर्यावरण को नुकसान पहुँचाता है। यही कारण है कि संयुक्त राष्ट्र ने 2018 में इसे वैश्विक स्तर पर मान्यता देते हुए विश्व साइकिल दिवस घोषित किया। आधुनिक जीवनशैली ने मनुष्य को सुविधाएँ तो बहुत दी हैं,लेकिन इसके साथ अनेक स्वास्थ्य समस्याएँ भी पैदा कर दी हैं। घंटों कुर्सी पर बैठकर काम करना,शारीरिक श्रम का अभाव, वाहन-निर्भरता और तनावपूर्ण जीवन ने मोटापा,मधुमेह, उच्च रक्तचाप,हृदय रोग तथा मानसिक अवसाद जैसी समस्याओं को बढ़ा दिया है। ऐसे समय में साइकिल केवल एक परिवहन साधन नहीं,बल्कि एक प्रभावी स्वास्थ्य-सहचर बनकर सामने आती है।

चिकित्सकों और स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार नियमित साइकिल चलाना एक उत्कृष्ट कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम है। इससे हृदय मजबूत होता है,रक्त संचार बेहतर होता है,फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है और शरीर की अतिरिक्त कैलोरी खर्च होती है। साइकिल चलाने से मांसपेशियाँ सुदृढ़ होती हैं तथा जोड़ों पर अत्यधिक दबाव भी नहीं पड़ता,इसलिए यह सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त व्यायाम माना जाता है। विशेष रूप से मधुमेह,मोटापा और हृदय रोगों से बचाव में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। केवल शारीरिक ही नहीं,मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से भी साइकिल अत्यंत लाभकारी है। आज तनाव,चिंता और अवसाद वैश्विक समस्याएँ बन चुके हैं। खुली हवा में साइकिल चलाने से मन प्रसन्न होता है,तनाव हार्मोन कम होते हैं और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। यह व्यक्ति को प्रकृति के निकट लाती है तथा जीवन में संतुलन और आनंद की अनुभूति कराती है। वास्तव में साइकिल चलाना शरीर और मन दोनों का एक साथ व्यायाम है।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

पर्यावरणीय दृष्टि से साइकिल का महत्व और भी अधिक है। विश्व के बढ़े शहर बढ़ते प्रदूषण और ट्रैफिक जाम से त्रस्त हैं। मोटर वाहनों से निकलने वाला धुआँ वायु प्रदूषण का प्रमुख कारण है, जो न केवल पर्यावरण बल्कि मानव स्वास्थ्य के लिए भी घातक है। साइकिल शून्य-उत्सर्जन वाला वाहन है। यदि छोटी दूरी की यात्राओं के लिए लोग मोटरसाइकिल और कार के स्थान पर साइकिल का उपयोग करें,तो कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है। यह जलवायु परिवर्तन के विरुद्ध व्यक्तिगत स्तर पर किया जाने वाला सबसे सरल और प्रभावी प्रयास है। सामाजिक दृष्टि से भी साइकिल समानता और समावेशिता का प्रतीक है। यह अमीर और गरीब,दोनों के लिए समान रूप से उपयोगी है। ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी लाखों लोग शिक्षा,रोजगार और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँचने के लिए साइकिल पर निर्भर हैं। कम आय वाले परिवारों के लिए यह सबसे सुलभ और किफायती परिवहन साधन है। साइकिल सामाजिक गतिशीलता को बढ़ाती है और अवसरों तक पहुँच आसान बनाती है। भारत जैसे विकासशील देश के लिए साइकिल का महत्व विशेष रूप से अधिक है। एक ओर देश ऊर्जा आयात पर भारी खर्च करता है,दूसरी ओर महानगरों में यातायात और प्रदूषण गंभीर समस्या बन चुके हैं। यदि साइकिल संस्कृति को व्यापक रूप से प्रोत्साहित किया जाए तो ईंधन की बचत होगी, विदेशी मुद्रा का संरक्षण होगा और सार्वजनिक स्वास्थ्य पर होने वाला खर्च भी कम होगा। स्वस्थ नागरिक किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी होते हैं। विडंबना यह है कि भारत में कभी साइकिल आम जनजीवन का अभिन्न हिस्सा थी,लेकिन उपभोक्तावादी संस्कृति और मोटर वाहनों की बढ़ती प्रतिष्ठा ने इसे पीछे धकेल दिया। आज अनेक लोग साइकिल को केवल गरीबों का वाहन मानते हैं,जबकि विकसित देशों में साइकिल प्रतिष्ठा,स्वास्थ्य चेतना और पर्यावरणीय जिम्मेदारी का प्रतीक बन चुकी है। नीदरलैंड, डेनमार्क और जर्मनी जैसे देशों ने साइकिल को शहरी जीवन का केंद्र बनाया है। वहाँ अलग साइकिल लेन, सुरक्षित मार्ग और अनुकूल नीतियाँ उपलब्ध हैं। भारत को भी इस दिशा में गंभीर पहल करनी होगी।

समय की माँग है कि साइकिल को केवल खेल या मनोरंजन का साधन न मानकर सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था का महत्वपूर्ण अंग बनाया जाए। शहरों में सुरक्षित साइकिल ट्रैक,सार्वजनिक साइकिल शेयरिंग सिस्टम,कार्यालयों और शिक्षण संस्थानों में साइकिल उपयोग को प्रोत्साहन तथा सरकारी स्तर पर प्रोत्साहन योजनाएँ विकसित की जानी चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में साइकिल चलाने की संस्कृति को बढ़ावा दिया जाए तथा लोगों को इसके स्वास्थ्य एवं पर्यावरणीय लाभों के प्रति जागरूक किया जाए। विश्व साइकिल दिवस मनाने का उद्देश्य भी यही है कि समाज साइकिल के बहुआयामी महत्व को समझे और इसे दैनिक जीवन में अपनाए। यह दिवस हमें बताता है कि बड़े परिवर्तन हमेशा जटिल तकनीकों से नहीं आतेय कभी-कभी एक साधारण दो पहियों वाला वाहन भी मानवता को बेहतर भविष्य की दिशा दिखा सकता है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि हम साइकिल को अतीत की वस्तु नहीं, बल्कि भविष्य की आवश्यकता के रूप में देखें। जब दुनिया सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए प्रयासरत है,तब साइकिल एक ऐसा माध्यम है जो स्वास्थ्य,पर्यावरण,अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय-सभी क्षेत्रों में सकारात्मक योगदान दे सकती है। विश्व साइकिल दिवस हमें यह संदेश देता है कि यदि हम स्वस्थ शरीर,स्वच्छ वातावरण और संतुलित जीवन चाहते हैं,तो साइकिल को पुनः अपने जीवन का हिस्सा बनाना होगा। यह केवल परिवहन का साधन नहीं,बल्कि एक जीवन-दर्शन है-सादगी,संतुलन,स्वास्थ्य और प्रकृति के साथ सामंजस्य का जीवन-दर्शन। आने वाला भारत तभी अधिक स्वस्थ,हरित और प्रगतिशील बन सकेगा जब साइकिल फिर से उसकी सड़कों,गलियों और जनजीवन की धड़कन बनेगी। यही विश्व साइकिल दिवस की सार्थकता है और यही हरियाली भरे भविष्य की दिशा में हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए।

पेपर लीक की आड़ में डिजिटल शिक्षा पर अंजना का 'दो कौड़ी' तंज

दो कौड़ी कहने वाली जुबान और करोड़ों भाग्य बदलने वाले हाथ अंजना की टिप्पणी या शिक्षा पर चोट? यूट्यूब टीचर्स क्यों बने मुद्दा

प्रो. आरके जैन अरिजीत
बड़वानी,मध्यप्रदेश

भारतीय शिक्षा जगत में यह शायद ही पहले कभी देखने को मिला हो कि एक टीवी स्टूडियो में कही गई टिप्पणी इतनी तेज़ी से राष्ट्रीय बहस का विषय बन जाए। लेकिन जब वरिष्ठ एंकर अंजना ओम कश्यप ने नीट पेपर लीक पर चर्चा के दौरान यूट्यूब शिक्षकों पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एक्सप्लेनर बनाते हैं, जानते कुछ नहीं और उन्हें दो कौड़ी के यूट्यूब गुरु÷ तक कह दिया,तो यह सिर्फ एक टीवी बहस नहीं रही। यह बयान देखते ही देखते ब्लैकबोर्ड पर ब्रेकिंग न्यूज़ बन गया। वास्तव में,यह डिजिटल शिक्षा की बढ़ती ताकत के सामने मुख्यधारा मीडिया की असहजता को उजागर करता है। अंजना का यह हमला तथ्यों से अधिक पूर्वाग्रह का प्रतीक प्रतीत होता है।

जब लाखों छात्रों का भरोसा किसी मंच से जुड़ जाए, तो उस पर उठी उंगली केवल व्यक्तियों पर नहीं, पूरी व्यवस्था पर सवाल बन जाती है। अंजना ओम कश्यप की इस टिप्पणी को खान सर,अभिनय शर्मा जैसे लोकप्रिय यूट्यूब शिक्षकों पर भी लागू माना गया। उन्होंने कुछ डिजिटल शिक्षकों को 'बड़ा फ्रॉड' तक कह दिया। यह टिप्पणी ऐसे समय आई,जब लाखों छात्र ऑनलाइन शिक्षा के सहारे अपने सपने संवार रहे हैं। इसलिए इसे केवल कुछ शिक्षकों पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल शिक्षा जगत की साख पर प्रहार माना गया। सवाल है, क्या यह आलोचना तथ्यों पर आधारित है या महज़ सुर्खियाँ बटोरने की कोशिश? क्या कुछ अपवादों के आधार पर पूरे समुदाय को कटघरे में खड़ा करना उचित है?

शोर और आरोपों से परे,किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन उसके परिणामों से होता है। पिछले एक दशक में यूट्यूब आधारित शिक्षा ने लाखों छात्रों तक ज्ञान पहुँचाया, जिनकी पहुँच महंगी कोचिंग तक नहीं थी। खान सर और अभिनय शर्मा जैसे शिक्षकों ने दूर-दराज़ क्षेत्रों के युवाओं को अवसर,मार्गदर्शन और आत्मविश्वास दिया। इनके पक्ष में सबसे बड़ा प्रमाण लाखों सफल छात्र हैं। यदि ये 'कुछ नहीं जानते', तो यह सफलता कैसे संभव हुई? हालाँकि कुछ अपवाद हो सकते हैं,लेकिन उनसे पूरे योगदान को नकारा नहीं जा सकता। अंजना जी,यह आरोप केवल शिक्षकों पर नहीं, उनके समर्पण और मेहनत पर भी सवाल उठाता है।

जब दुनिया थम-सी गई थी और शिक्षा के पारंपरिक रास्ते बंद हो गए थे,तब डिजिटल मंचों ने सीखने की लौ बुझने नहीं दी। कोविड महामारी के दौरान ऑनलाइन शिक्षक लाखों विद्यार्थियों के लिए सहारा बने। स्कूलों और कक्षाओं के बंद रहने पर मोबाइल और इंटरनेट के जरिए शिक्षा घर-घर पहुँची। जहाँ कई कोचिंग संस्थानों की फीस लाखों रुपये तक है, वहीं अनेक यूट्यूब शिक्षक मुफ्त या कम लागत पर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देते रहे। डिजिटल प्लेटफॉर्म ने

शिक्षा को सीमित दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुँचाया है। ऐसे योगदान को अनदेखा कर पूरे समुदाय को फ्रॉड बताना न केवल अनुचित,बल्कि एकतरफा दृष्टिकोण भी है। हालाँकि कुछ चैनलों में क्लिकबेट,भ्रामक थंबनेल और पेड कोर्स की आक्रामक मार्केटिंग जैसी समस्याएँ भी मौजूद हैं। विवाद के बीच शिक्षकों की प्रतिक्रिया ने अंजना के आरोपों पर नए सवाल खड़े कर दिए। अभिनय सर और खान सर जैसे शिक्षकों ने कहा कि उनका काम छात्रों का भविष्य संवारना है, न कि सनसनी फैलाना। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि कोई उन्हें ज्ञानहीन सिद्ध कर दे,तो वे सीखने को तैयार हैं, लेकिन निराधार आरोप स्वीकार्य नहीं हैं। दूसरी ओर, सोशल मीडिया पर छात्रों ने भी खुलकर उनका समर्थन किया। हजारों प्रतिक्रियाओं में छात्रों ने बताया कि इन शिक्षकों ने शिक्षा को महंगे दायरों से निकालकर आम लोगों तक पहुंचाया है। ऐसे में दो कौड़ी जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं,बल्कि उन लाखों छात्रों और परिवारों के विश्वास पर भी चोट करती है, जो उन्हें अपना मार्गदर्शक मानते हैं।

इस प्रकरण ने मुख्यधारा मीडिया की विश्वसनीयता पर भी सवाल खड़े किए हैं। जब यूट्यूब शिक्षक नीट लीक,सीबीएसई विवादों और शिक्षा व्यवस्था की खामियों पर आवाज उठाते हैं, तो उन्हें फ्रॉड कहकर खारिज कर दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल स्वाभाविक है कि क्या टीवी एंकर हर विषय के अंतिम विशेषज्ञ हैं? यदि डिजिटल मंचों की विश्वसनीयता पर संदेह किया जाता है, तो टीआरपी-केंद्रित बहसों की निष्पक्षता भी जांच के दायरे में आनी चाहिए। अंजना ओम कश्यप का बयान इसी विरोधाभास को उजागर करता है। एक ओर डिजिटल शिक्षक शिक्षा की पहुंच बढ़ा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर उनके योगदान पर संदेह जताया जा रहा है।

डिजिटल शिक्षा जगत भी कमियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। कुछ यूट्यूब चैनलों पर क्लिकबेट और भ्रामक जानकारी की समस्या मौजूद है, जिसकी आलोचना और जवाबदेही आवश्यक है। कुछ टीचर्स पर पेपर लीक या गलत मार्गदर्शन के आरोप भी लगते रहे हैं। लेकिन कुछ उदाहरणों के आधार पर पूरे समुदाय को फ्रॉड या दो कौड़ी का कहना उचित नहीं। शिक्षा में गुणवत्ता जरूरी है, पर उसके नाम पर पूरे आंदोलन को अपमानित नहीं किया जा सकता। किसी भी व्यवस्था का मूल्यांकन तथ्यों और परिणामों से होना चाहिए,न कि अपमानजनक टिप्पणियों से। अंजना का बयान इसी अति सामान्यीकरण की मिसाल प्रतीत होता है।

वस्तुतः,इस पूरे विवाद का केंद्र कोई एंकर या शिक्षक नहीं, बल्कि शिक्षा का बदलता परिदृश्य है। आज करोड़ों छात्र सीमित संसाधनों के बीच डिजिटल मंचों के सहारे अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। ऐसे में मुख्यधारा मीडिया और डिजिटल शिक्षा जगत, दोनों से संतुलन, जवाबदेही और संवाद की अपेक्षा है। किसी शिक्षक का मूल्यांकन आरोपों या उपहास से नहीं, बल्कि उसके विद्यार्थियों की उपलब्धियों से होना चाहिए। दो कौड़ी के गुरु जैसी टिप्पणी केवल शिक्षकों पर नहीं, बल्कि उन करोड़ों छात्रों के विश्वास और आकांक्षाओं पर भी आघात है; ऐसे में संबंधित टिप्पणी पर पुनर्विचार और खेद की अपेक्षा स्वाभाविक है। शिक्षा राष्ट्र की नींव है; इसलिए इस पर विमर्श पूर्वाग्रह नहीं,तथ्यों और सम्मान के आधार पर होना चाहिए।

कोचिंग संस्कृति के चौराहे पर शिक्षा

डॉ. प्रियंका सौरभ
हिसार हरियाणा

शिक्षा नहीं,ब्रांड बिक रहे हैं...

भारत में शिक्षा को सदियों से ज्ञान, संस्कार और सामाजिक परिवर्तन का माध्यम माना गया है। शिक्षक को समाज में विशेष सम्मान प्राप्त रहा है क्योंकि वह केवल विषय ज्ञान ही नहीं देता,बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व और चरित्र का निर्माण भी करता है। किंतु पिछले कुछ दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में जो परिवर्तन हुए हैं,उन्होंने इस आदर्शवादी अवधारणा को काफी हद तक प्रभावित किया है। विशेष रूप से प्रतियोगी परीक्षाओं की बढ़ती संख्या,सरकारी नौकरियों के प्रति आकर्षण और बेहतर करियर की दौड़ ने कोचिंग उद्योग को एक विशाल आर्थिक क्षेत्र में बदल दिया है। आज देश के अनेक शहरों में कोचिंग संस्थान शिक्षा व्यवस्था के समानांतर एक ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं,जिसका प्रभाव विद्यालयों, विद्यार्थियों, अभिभावकों और यहां तक कि नीतिनिर्माताओं तक पर दिखाई देता है।हाल के वर्षों में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के विस्तार ने इस प्रवृत्ति को और अधिक तीव्र बना दिया है। अनेक शिक्षक और कोचिंग संचालक यूट्यूब,इंस्टाग्राम तथा अन्य माध्यमों के जरिए लाखों विद्यार्थियों तक पहुँच रहे हैं। यह अपने आप में बुरा नहीं है। तकनीक ने शिक्षा को अधिक सुलभ बनाया है और दूरदराज़ के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण सामग्री उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब शिक्षा का उद्देश्य ज्ञानार्जन से हटकर व्यक्तिगत ब्रांड निर्माण,प्रचार और व्यावसायिक विस्तार तक सीमित हो जाता है।

हाल ही में एक चर्चित टीवी बहस में वरिष्ठ पत्रकार अंजना ओम कश्यप द्वारा एक यूट्यूबर शिक्षक पर किया गया तंज सोशल मीडिया पर व्यापक चर्चा का विषय बना। इस घटना को लेकर लोगों की राय अलग-अलग हो सकती है। कुछ लोग इसे पत्रकारिता की तीखी टिप्पणी मानते हैं तो कुछ इसे शिक्षकों के प्रति अनादर के रूप में देखते हैं। किंतु इस विवाद ने एक महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा किया है—क्या शिक्षा का क्षेत्र अब अत्यधिक प्रचार और व्यवसायीकरण की ओर बढ़ चुका है? क्या विद्यार्थियों और अभिभावकों को प्रभावित करने के लिए एक ऐसा माहौल तैयार किया जा रहा है जिसमें कोचिंग को सफलता की अनिवार्य शर्त के रूप में प्रस्तुत किया जाता है?

वास्तविकता यह है कि आज अनेक अभिभावक यह मानने लगे हैं कि बिना कोचिंग के उनका बच्चा किसी प्रतियोगी परीक्षा में सफल नहीं हो सकता। यह धारणा धीरे-धीरे इतनी गहरी हो गई है कि विद्यालयी शिक्षा की उपयोगिता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगा है। कई परिवार अपनी आर्थिक स्थिति पर भारी बोझ डालकर बच्चों को महंगी कोचिंग में भेजते हैं। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से हजारों विद्यार्थी कोचिंग हब माने जाने वाले शहरों की ओर पलायन करते हैं। इस प्रक्रिया में परिवार की बचत, बच्चों का मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक जीवन सभी प्रभावित होते हैं। यह स्थिति केवल विद्यार्थियों की मानसिकता का परिणाम नहीं है। इसके पीछे शिक्षा व्यवस्था की कुछ वास्तविक चुनौतियाँ भी हैं। विद्यालयों में पढ़ाया जाने वाला पाठ्यक्रम और प्रतियोगी परीक्षाओं की आवश्यकताओं के बीच अक्सर अंतर दिखाई देता है। कई प्रतियोगी परीक्षाएँ ऐसी हैं जिनमें विद्यालयी पाठ्यक्रम से बाहर के विषय, विशेष प्रकार की तार्किक क्षमता या परीक्षा-विशिष्ट रणनीतियाँ महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। परिणामस्वरूप विद्यार्थियों और अभिभावकों को लगता है कि केवल स्कूल की पढ़ाई पर्याप्त नहीं है। इस धारणा का लाभ कोचिंग उद्योग उठाता है और स्वयं को सफलता की कुंजी के रूप में प्रस्तुत करता है। हालाँकि यह भी स्वीकार करना होगा कि सभी कोचिंग संस्थानों को एक ही दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। अनेक संस्थान और शिक्षक ईमानदारी से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने ऐसे विद्यार्थियों को अवसर दिए हैं जिन्हें अन्यथा बेहतर संसाधन उपलब्ध नहीं हो पाते। ऑनलाइन शिक्षा ने लाखों युवाओं तक कम लागत में अध्ययन सामग्री पहुँचाई है। इसलिए पूरे कोचिंग क्षेत्र को नकारात्मक रूप में चित्रित करना उचित नहीं होगा। समस्या उन प्रवृत्तियों से है जहाँ शिक्षा की जगह प्रचार, व्यक्तिपूजा और अवास्तविक दावे केंद्र में आ जाते हैं। सोशल मीडिया के दौर में कुछ शिक्षकों ने स्वयं को ब्रांड के रूप में स्थापित कर लिया है। उनके वीडियो, पोस्ट और विज्ञापन लगातार विद्यार्थियों के सामने आते रहते हैं। सफलता की कहानियों को प्रमुखता से दिखाया जाता है, जबकि असफल विद्यार्थियों की संख्या पर चर्चा कम होती है। कई बार यह आभास दिया जाता है कि किसी विशेष शिक्षक या कोचिंग से जुड़ना ही सफलता की गारंटी है। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी परीक्षा में सफलता अनेक कारकों पर निर्भर करती है–विद्यार्थी की मेहनत, पारिवारिक सहयोग, मानसिक स्थिति, अध्ययन संसाधन और समय प्रबंधन उनमें प्रमुख हैं। एक अन्य चिंताजनक पहलू शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्तिकेंद्रित संस्कृति का बढ़ना है। कुछ शिक्षक अपने विषय या संस्थान से अधिक स्वयं के प्रचार पर ध्यान देते दिखाई देते हैं। विशाल होर्डिंग,लगातार विज्ञापन,सोशल मीडिया अभियानों और व्यक्तिगत छवि निर्माण पर खर्च होने वाले संसाधन यह प्रश्न उठाते हैं कि शिक्षा का केंद्र विद्यार्थी है या शिक्षक का ब्रांड? शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान का प्रसार होना चाहिए,न कि व्यक्तित्व का अंधानुकरण। हिंदी माध्यम और अंग्रेज़ी माध्यम की कोचिंग संस्कृति की तुलना भी चर्चा का विषय बनती रही है। यह धारणा अक्सर व्यक्त की जाती है कि हिंदी माध्यम में कुछ शिक्षक अत्यधिक प्रचार पर निर्भर रहते हैं, जबकि अंग्रेज़ी माध्यम में संस्थान अपेक्षाकृत संस्थागत पहचान को महत्व देते हैं। यद्यपि यह विभाजन पूर्णतः सही नहीं कहा जा सकता, फिर भी यह स्पष्ट है कि सोशल मीडिया के माध्यम से व्यक्तिगत ब्रांडिंग की प्रवृत्ति कुछ क्षेत्रों में अधिक दिखाई देती है। इसका प्रभाव विद्यार्थियों पर भी पड़ता है,जो विषयवस्तु की गुणवत्ता से अधिक लोकप्रियता और फॉलोअर्स की संख्या से प्रभावित होने लगते हैं। इस पूरे परिदृश्य में सरकार और शिक्षा नियामकों की भूमिका भी महत्वपूर्ण है।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

ब्याज की मांग को लेकर घर में बंद करके मारपीट,केस दर्ज

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

उधार में लिए गए रुपये वापस करने गए एक व्यक्ति से ब्याज की मांग करते हुए मारपीट करने का मामला प्रकाश में आया है। आहत का मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, पंकज कश्यप ने जूही कश्यप से 20 हजार रुपये उधार में लिया था, जिसे वापस लौटाने के लिए 29 मई को दोपहर करीब एक बजे जूही के घर ब्रहपारा गया था। 20 हजार रुपये देने पर जूही ने ब्याज के रकम की मांग की, तो पंकज ने फिलहाल मूल रकम रख लेने के लिए कहा और ब्याज का राशि बाद में देने के लिए कहा। इसी बात को लेकर जूही के अलावा रवि सहित अन्य गाली-गलौज करते हुए पंकज को घर में बंद कर दिए और जान से मारने की धमकी देकर हाथ-मुक्का, डंडा से मारपीट करने लगे, जिसमें वह ज मी हो गया और नकद रकम और गले का चेन गायब हो गया। आहत की पत्नी प्रतिमा कश्यप की रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 115(2), 127(2), 296, 3(5), 351(3) का मामला दर्ज कर लिया है।

चलती कार पर ईंट से हमला दंपती बाल-बाल बचे

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

सीतापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत कार सवारों दंपति पर ईंट से हमला करने के मामले में पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक बटईकेला निवासी राहुल गुप्ता 30 मई को अपने कार क्रमांक जेएच 01 एफडब्ल्यू 1161 से अपने पत्नी ज्योति गुप्ता और बच्चों के साथ ग्राम गिरहुलडीह रिस्तेदारी में गया था। रात करीब 8 बजे वापस घर आते समय नावापारा मोड के पास आनंद डोम पिता शिवप्रसाद डोम मेन रोड में खड़ा था,जो अपने हाथ में ईंट पकड़ा था,और कार को रोकने का प्रयास कर रहा था। कार में पत्नी और बच्चे सवार थे,जिससे भयभीत होकर वह गाड़ी नहीं रोका और हाथ में पकड़े ईंट से कार के सामने शीशा में मारा,जिससे कार का शीशा टूट गया,और कांच कार के अंदर फैल गया,जिसमें सभी बाल बाल बच गए। उन्होंने घटना की जानकारी गांव के सरपंच सतानंद को दी। कार का शीशा टूटने से वाहन स्वामी को लगभग 25 हजार रुपये की क्षति पहुंची है।

स्टोर से तार सहित अन्य मशीनरी चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम पटोरा अंतर्गत चल रहे एकलव्य माडल स्कूल निर्माण के लिए स्टोर में रखे 10 बंडल इलेक्ट्रानिक तार, कटर सहित अन्य मशीन को अज्ञात चोरों ने पार कर दिया। चोरी की वारदात को ताला तोडक़र अंजाम दिया गया है। घटना की रिपोर्ट शत्रुधन कुमार निवासी ग्राम सहनपुर ने लुण्ड्रा थाने में दर्ज कराई है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

वन्यजीवों की सुरक्षा हेतु सरगुजा वन मंडल की पहल खुले एवं असुरक्षित कुओं को किया जा रहा सुरक्षित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा वन मंडल द्वारा वन्यजीव संरक्षण एवं मानव-वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए वन क्षेत्रों एवं उनके आसपास स्थित खुले एवं असुरक्षित कुओं को सुरक्षित करने का कार्य प्रारंभ किया गया है। खुले कुएँ वन्यजीवों के लिए गंभीर खतरा साबित होते हैं,जिनमें गिरकर उनकी मृत्यु अथवा गंभीर रूप से घायल होने की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रही हैं। वन विभाग द्वारा ऐसे खुले एवं असुरक्षित कुओं की पहचान कर उन्हें मजबूत जाली, ढक्कन अथवा अन्य उपयुक्त संरचनाओं से सुरक्षित किया जा रहा है। इस पहल से हाथी, तेंदुआ, हिरण, भालू सहित अन्य वन्यजीवों के कुओं में गिरने की आशंका कम होगी तथा उनके सुरक्षित आवागमन को सुनिश्चित किया जा सकेगा। वनमंडला धिकारी सरगुजा, श्री अभिषेक जोगावत ने बताया कि वन्यजीव प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न अंग हैं। खुले कुएँ वन्यजीवों के लिए एक छिपे हुए खतरे के रूप में कार्य करते हैं। सरगुजा वन मंडल द्वारा ऐसे सभी संवेदनशील स्थलों की पहचान कर चरणबद्ध तरीके से उन्हें सुरक्षित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वन्यजीवों की अनावश्यक मृत्यु एवं दुर्घटनाओं को रोकना विभाग की प्राथमिकता है।

खेल-खेल में बैटरी ब्लास्ट...एक वर्षीय मासूम की मौत

भाई-बहन कूड़े से उठा लाए थे बैटरी,आग में डालते ही हुआ धमाका

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

सूरजपुर जिले के प्रेमनगर थाना क्षेत्र के ग्राम ब्रह्मपुर में खेल-खेल में हुई एक दर्दनाक घटना ने पूरे गांव को गमगीन कर दिया। कूड़े में पड़ी बैटरी को आग में डालने से हुए विस्फोट की चपेट में आकर एक वर्षीय मासूम गंभीर रूप से झुलस गया। मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार ग्राम ब्रह्मपुर निवासी आदित्य सिंह नेताम (1 वर्ष) पिता महेंद्र सिंह नेताम 31 मई को अपनी मां और भाई-बहनों के साथ घर में खेल रहा था। उसके पिता सुबह ट्रैक्टर लेकर काम पर निकल गए थे। इसी दौरान बड़े भाई-बहन खेलते-खेलते बाड़ी की ओर चले गए और वहां कूड़े-कचरे में पड़ी एक पुरानी बैटरी उठाकर घर ले आए। शाम करीब 5 बजे बच्चों की मां पानी भरने के लिए नल पर चली गई। इस बीच तीनों बच्चे घर के बाहर खेल रहे थे। पास में जल रही आग में बच्चों ने बैटरी डाल दी। कुछ ही देर बाद तेज धमाके के साथ बैटरी फट गई। विस्फोट इतना तेज था कि एक वर्षीय आदित्य उसकी चपेट में आ गया और बुरी तरह झुलस गया। उसके चेहरे,सीने, पेट और हाथों में गंभीर चोटें आईं। वहीं उसके भाई-बहन किसी तरह वहां से भागकर बच गए। धमाके की आवाज सुनकर मां दौड़ते हुए मौके पर पहुंची तो मासूम को गंभीर हालत में पड़ा देखा। बच्चों से पूछताछ करने पर पूरी घटना का पता चला।

मेडिकल कॉलेज में तोड़ा दम : रात करीब 9 बजे जब पिता काम से घर लौटे तो उन्हें घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद परिजन तत्काल आदित्य को प्रेमनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया। परिजन 1 जून को बच्चे को लेकर अंबिकापुर पहुंचे, जहां उसका इलाज शुरू किया गया। लेकिन गंभीर रूप से झुलस जाने के कारण उपचार के दौरान 2 जून की सुबह करीब 4 बजे उसकी मौत हो गई।

सावधानी जरूरी

यह घटना बच्चों की पहुंच से इलेक्ट्रॉनिक कचरा,पुरानी बैटरियां और अन्य खतरनाक वस्तुएं दूर रखने की जरूरत को भी उजागर करती है। थोड़ी सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है।

तहसीलदार-नायब तहसीलदारों के हड़ताल से दफ्तर का काम प्रभावित

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो और राजापुर उप तहसील में पदस्थ नायब तहसीलदार तुषार मानिक के बीच विवाद अब और गहराता जा रहा है। मारपीट और अभद्रता के आरोपों के बीच नायब तहसीलदार ने मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए नार्को टेस्ट कराने की मांग की है। वहीं विधायक ने भी कहा है कि वे हर स्तर की निष्पक्ष जांच के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि 27 मई को राजापुर उप तहसील में हुए घटनाक्रम के बाद नायब तहसीलदार तुषार मानिक ने सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो और उनके समर्थकों पर मारपीट का आरोप लगाया था। मामले में सीतापुर एसडीएम फागेश सिन्हा ने भी कहा था कि उनके सामने विधायक और उनके समर्थकों ने नायब तहसीलदार के साथ मारपीट की। नायब तहसीलदार की रिपोर्ट पर पुलिस ने विधायक सहित 10 समर्थकों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया है। दूसरी ओर विधायक की बहन सीमा धनिक ने नायब तहसीलदार पर कार्यालय में बद्तमीजी करने और धक्का-मुक्की करने का आरोप लगाते हुए सीतापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी रिपोर्ट पर पुलिस ने नायब तहसीलदार तुषार मानिक के खिलाफ भी मामला दर्ज किया है। दोनों पक्षों की शिकायतों के बाद मामला राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चा का विषय बना हुआ है। नायब तहसीलदार तुषार मानिक ने 1 जून को मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि मामले में भ्रम की स्थिति बनी हुई है। उन्होंने शासन से मांग की कि सबसे पहले उनका, फिर विधायक रामकुमार टोप्पो, उनकी बहन सीमा धनिक और घटना से जुड़ी अन्य महिला का नार्को टेस्ट कराया जाए। उनका कहना है कि इससे पूरे घटनाक्रम की सच्चाई सामने आ जाएगी और यह स्पष्ट हो जाएगा कि आरोपों में कितनी सच्चाई है। नार्को टेस्ट की मांग पर विधायक रामकुमार टोप्पो ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि वे किसी भी प्रकार की निष्पक्ष जांच का स्वागत करते हैं और पुलिस-प्रशासन को पूरा सहयोग देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो नार्को टेस्ट सहित हर स्तर की जांच के लिए भी वे तैयार हैं।

गिरफ्तारी की मांग पर हड़ताल जारी

घटना के विरोध में छत्तीसगढ़ कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ के बैनर तले प्रदेशभर के तहसीलदार और नायब तहसीलदार 1 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि जब तक विधायक की गिरफ्तारी नहीं होती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। हड़ताल का असर राजस्व संबंधी कार्यों पर भी पडने लगा है। तहसीलों में नामांतरण,बंटवारा,आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र सहित कई प्रशासनिक कार्य प्रभावित हो रहे हैं। प्रशासनिक अमला और राजस्व अधिकारी लगातार इस मामले को लेकर सरकार से हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं। फिलहाल मामले की जांच जारी है और दोनों पक्ष अपने-अपने दावों पर कायम हैं। ऐसे में अब सभी की निगाहें पुलिस जांच और आगे होने वाली कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

सूने मकान से नकदी जेवरात सहित दो लाख का सामान चोरी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र के घुटरापारा में सनराइज स्कूल के पीछे सूने मकान से जेवरात, बर्तन सहित करीब दो लाख रुपये की चोरी के पुराने मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक घुटरापारा निवासी राकेश गुप्ता पिता अशोक शाह 34 वर्ष सब्जी बेचने का काम करता है। 9 मई को वह अपने ससुराल ग्राम एकवनी जिला कैमुर बिहार परिवार सहित शादी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था। इस दौरान अज्ञात चोर 10 मई की रात करीब 11 बजे से 14 मई की सुबह 5 बजे के बीच घर के छत में सीढ़ी लगाकर, घर के अंदर घुसा और सोने का जेवरात, नकद रकम और कांस का बर्तन चोरी कर लिया। 14 मई को कृष्णा गुप्ता ने फोन करके बताया कि उनके घर का ताला टूटा है। इसके बाद वह कृष्णा गुप्ता को घर देखने के लिए कहा और 18 मई को वापस अंबिकापुर आया। घर के अंदर जाने पर सामान बिखरा पड़ा था, और अलमारी, पेटी खुला हुआ था। सामान का मिलान करने पर अलमारी में रखा सोने का नाक का नथिया 5 नग, सोने का मंगलसुत्र लॉकेट सहित 1 नग, सोने का मांगटिका 1 नग, सोने का कान का बाली 2 सेट, नकद 9000 रुपये, पेटी में रखा कांस का परात छोटा-बडा 2 नग, कांस का 2 लोटा, कांस का गिलास 2 नग, कांस का कटोरा 2 नग, कांस का थाली 1 नग, स्टील का बाल्टी 1 नग, छोटा गंज 1 नग नहीं था। घर से चोरी गये सामान का पता लगाने की कोशिश के बाद भी सफलता नहीं मिलने पर वह कोतवाली थाना में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराया है, जिस पर पुलिस ने केस दर्ज करके जांच में लिया है।

04 जून को होगी प्री. डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा

जिले में 36 परीक्षा केंद्र बनाए गए, 11841 अभ्यर्थी होंगे परीक्षा में शामिल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल (व्यापमं) द्वारा आगामी 04 जून 2026 को प्री. डी.एल.एड. प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। है। यह परीक्षा पूर्वाह्न 10:00 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक आयोजित की जाएगी। जिले में परीक्षा कुल 36 परीक्षा केंद्रों में आयोजित होगी तथा परीक्षा में कुल 11,841 अभ्यर्थी शामिल होंगे। परीक्षार्थी परीक्षा प्रारंभ होने के दो घंटे पूर्व परीक्षा केंद्र में पहुंचे, ताकि फ्रिस्किंग एवं सत्यापन किया जा सके। परीक्षा प्रारंभ होने के 30 मिनट पूर्व परीक्षा केन्द्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जाएगा। अतः मुख्य द्वार प्रातः 09:30 बजे बंद कर दिया जावेगा। परीक्षार्थी हल्के रंग के आधी बांह वाले कपड़े पहनकर परीक्षा देने आएं। काला, गहरा नीला, गहरा हरा, जामुनी, मैरून, बैंगनी एवं गहरा चॉकलेटी रंग वर्जित होगा। धार्मिक एवं सांस्कृतिक पोशाक वाले अभ्यर्थियों को सामान्य समय से पहले रिपोर्ट करना होगा।

अंतिम प्रकाशन में बदलाव का विरोध,ग्रामीणों ने राज्यपाल के नाम सौंपा ज्ञापन

सर्वे पर रोक लगाकर पूर्व प्रकाशित राजस्व अभिलेख यथावत रखने की मांग...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

शहर से लगे ग्राम खैरबार और चोरकाकछार के ग्रामीणों ने राजस्व सर्वे के अंतिम प्रकाशन में बदलाव का विरोध करते हुए कलेक्टर को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि पूर्व में तैयार किए गए अधिकार अभिलेख, नक्शा और खसरा को यथावत रखा जाए तथा वर्तमान में जारी प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। ग्रामीणों का आरोप है कि अनुविभागीय अधिकारी एवं तहसील कार्यालय द्वारा उन्हें संबंधित अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। साथ ही वर्तमान में प्रकाशित भू-अभिलेख से असर्वेक्षित भूमि के नक्शे को हटा दिया गया है। उनका कहना है कि वर्ष 1969 में हुए राजस्व सर्वे के दौरान अधूरा सर्वेक्षण किया गया था, जबकि खैरबार की भूमि पहले से सर्वेक्षित थी और वहां वर्षों से खरीदी-बिक्री होती रही है। वन अधिकार समिति खैरबार के अध्यक्ष रवि केरकेट्टा ने बताया कि राजस्व एवं वन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से सर्वे कर नक्शा, खसरा और भू-अधिकार अभिलेख तैयार किए गए थे। इसके बाद 1 फरवरी 2024 को प्रथम एवं अंतिम प्रकाशन किया गया था। इस संबंध में विशेष ग्राम सभा का प्रस्ताव भी पारित किया गया तथा प्राप्त दावा-आपत्तियों का निराकरण किया गया था। ग्रामीणों का आरोप है कि अंतिम प्रकाशन के बाद तैयार अभिलेखों को सार्वजनिक नहीं किया गया।

उनका कहना है कि वन विभाग ने प्रकाशन के समय कोई दावा-आपत्ति प्रस्तुत नहीं की थी, लेकिन अब वर्ष 2026 में वन एवं राजस्व सीमा निर्धारण की नई प्रक्रिया शुरू की जा रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि ग्राम सभा के प्रस्ताव और पूर्व प्रकाशन को नजरअंदाज करते हुए पुनः दावा-आपत्ति आमंत्रित की जा रही है। उन्होंने मांग की है कि पूर्व में प्रकाशित अंतिम अभिलेखों को मान्य रखते हुए वर्तमान सर्वे प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाई जाए।

टोनही प्रताड़ना से हत्या तक के मामले में चार साल बाद आया फैसला, आरोपी को उम्रकैद

विशेष न्यायालय बैकुंठपुर ने सुनाई आजीवन कारावास की सजा,टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम में भी दोषसिद्धि

विशेष न्यायाधीश आशीष पाठक का फैसला,विशेष लोक अभियोजक महेश कुमार शर्मा ने की शासन की ओर से पैरवी

-संवाददाता-
बैकुंठपुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

समाज में अंधविश्वास और टोनही जैसी कुप्रथाओं के कारण होने वाली घटनाएं आज भी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं,कई बार ऐसे अंधविश्वास निर्दोष लोगों की जान तक ले लेते हैं, कोरिया जिले के एक ऐसे ही चर्चित मामले में लगभग चार वर्ष की लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद विशेष न्यायालय बैकुंठपुर ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए आरोपी उमेश कुमार केवट को हत्या का दोषी ठहराया है,न्यायालय ने आरोपी को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत आजीवन कारावास की सजा सुनाई है, साथ ही छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम के तहत भी दोषी मानते हुए पृथक दंड से दंडित किया है,यह फैसला न केवल एक आपराधिक मामले का निष्कर्ष है,बल्कि समाज में व्याप्त अंधविश्वास और कमजोर वर्गों के विरुद्ध होने वाले अपराधों के खिलाफ न्यायिक व्यवस्था का सख्त संदेश भी माना जा रहा है।

2022 की घटना,जिसने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया था...

न्यायालय में प्रस्तुत अभियोजन कथा के अनुसार 15 सितंबर 2022 की शाम लगभग 5:30 बजे थाना पोड़ी क्षेत्र के ग्राम चरचा निवासी एक व्यक्ति तालाब में स्नान कर अपने घर लौट रहा था,रास्ते में वह एक मकान के समीप पहुंचा ही था कि आरोपी उमेश कुमार केवट वहां पहुंचा, अभियोजन के अनुसार आरोपी ने चारपहिया वाहन को तेज गति और लापरवाहीपूर्वक चलाते हुए उस व्यक्ति को टक्कर मार दी,टक्कर इतनी गंभीर थी कि पीड़ित सड़क पर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया, बाद में उसकी मृत्यु हो गई,घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गई थी,पुलिस ने मामले की जांच शुरू की और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपी के विरुद्ध हत्या सहित अन्य धाराओं में अपराध दर्ज किया गया।

टोनही प्रताड़ना का भी जुड़ा था मामला

मामले की जांच के दौरान यह तथ्य भी सामने आया कि घटना केवल एक सामान्य दुर्घटना या विवाद का परिणाम नहीं थी, बल्कि इसके पीछे टोनही संबंधी आरोप और सामाजिक पूर्वाग्रहों का पहलू भी जुड़ा हुआ था, इसी आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के साथ-साथ छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत भी मामला दर्ज किया, बाद में प्रकरण को अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के विशेष न्यायालय में विचारण के लिए प्रस्तुत किया गया।

चार वर्षों तक चली न्यायिक प्रक्रिया

मामले की सुनवाई विशेष न्यायालय बैकुंठपुर में हुई, सुनवाई के दौरान शासन की ओर से विशेष लोक अभियोजक महेश कुमार शर्मा ने पैरवी की, अभियोजन पक्ष ने न्यायालय के समक्ष गवाहों, दस्तावेजी साक्ष्यों और परिस्थितिजन्य तथ्यों को प्रस्तुत कर आरोपी के विरुद्ध आरोप सिद्ध करने का प्रयास किया, वहीं बचाव पक्ष ने आरोपी को निर्दोष बताते हुए अभियोजन की कहानी पर सवाल उठाए और साक्ष्यों को चुनौती दी, मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायालय ने सभी गवाहों के बयान, दस्तावेजी साक्ष्यों और दोनों पक्षों की दलीलों का विस्तृत परीक्षण किया।

न्यायालय ने माना अभियोजन का पक्ष

विशेष न्यायाधीश आशीष पाठक ने अपने निर्णय में उपलब्ध साक्ष्यों का विश्लेषण करते हुए पाया कि अभियोजन पक्ष आरोपी के विरुद्ध लगाए गए आरोपों को प्रमाणित करने में सफल रहा है, न्यायालय ने माना कि आरोपी के विरुद्ध प्रस्तुत साक्ष्य पर्याप्त हैं और उसके कृत्य से पीड़ित की मृत्यु हुई, इसी आधार पर न्यायालय ने आरोपी को हत्या का दोषी ठहराया।

आजीवन कारावास की सजा- न्यायालय ने आरोपी उमेश कुमार केवट को भारतीय दंड संहिता की धारा 302 के तहत दोषी पाते हुए आजीवन कारावास एवं 100 रुपये अर्थदंड से दंडित किया, इसके अतिरिक्त न्यायालय ने छत्तीसगढ़ टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम की धारा 4 एवं 5 के अंतर्गत भी आरोपी को दोषी माना और क्रमशः एक वर्ष एवं दो वर्ष के कारावास तथा 100-100 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई,हालांकि भारतीय न्याय व्यवस्था के अनुसार गंभीर अपराध में दी गई प्रमुख सजा प्रभावी रहती है, इसलिए आरोपी को अब आजीवन कारावास भुगतना होगा।

न्यायालय की महत्वपूर्ण टिप्पणी- निर्णय में विशेष लोक अभियोजक महेश कुमार शर्मा द्वारा समाज में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और कमजोर वर्गों के विरुद्ध होने वाले अपराधों पर भी विशेष तर्क प्रस्तुत किए गए, न्यायालय ने अपने आदेश में उल्लेख किया कि समाज के कमजोर वर्गों को आज भी सामाजिक, आर्थिक और ऐतिहासिक कारणों से अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है,ऐसे वर्गों के सम्मान,गरिमा और अधिकारों की रक्षा के लिए बनाए गए कानूनों का उद्देश्य उन्हें सुरक्षा प्रदान करना है, न्यायालय ने यह भी माना कि सामाजिक पूर्वाग्रह, अंधविश्वास और भेदभाव जैसी प्रवृत्तियां आज भी कई क्षेत्रों में मौजूद हैं, जिन पर नियंत्रण आवश्यक है।

अंधविश्वास के खिलाफ सख्त संदेश

कानूनी जानकारों का मानना है कि यह फैसला केवल एक आरोपी को सजा देने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को यह संदेश भी देता है कि टोनही जैसी कुप्रथाओं के नाम पर किसी व्यक्ति को प्रताड़ित करना या उसके विरुद्ध हिंसा करना गंभीर अपराध है, छत्तीसगढ़ में टोनही प्रताड़ना निवारण अधिनियम इसी उद्देश्य से बनाया गया था ताकि महिलाओं और कमजोर वर्गों को अंधविश्वास के नाम पर होने वाले अत्याचारों से संरक्षण मिल सके।

क्षेत्र में चर्चा का विषय बना फैसला

लगभग चार वर्षों तक चले इस मामले में आए निर्णय के बाद क्षेत्र में इसकी व्यापक चर्चा हो रही है, न्यायालय के इस फैसले को अंधविश्वास आधारित अपराधों के विरुद्ध एक महत्वपूर्ण न्यायिक संदेश के रूप में देखा जा रहा है, कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि यह निर्णय स्पष्ट करता है कि यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध हों तो न्यायालय कठोरतम दंड देने से पीछे नहीं हटता, चार वर्ष की लंबी सुनवाई के बाद आए इस फैसले ने एक बार फिर यह साबित किया है कि न्यायिक प्रक्रिया भले समय ले, लेकिन जब साक्ष्य और तथ्य न्यायालय के समक्ष स्थापित हो जाते हैं, तब कानून अपना काम करता है और दोषियों को उनके अपराध के अनुरूप दंड मिलता है।

CMYK

ओड़गी शिक्षा विभाग की कड़वी विदाई...जिस गुरु ने संवारा देश का भविष्य,वह बुढ़ापे में अपने ही हक के लिए बैठेगा भूख हड़ताल पर !

ओड़गी बीईओ दफ्तर की तानाशाही,10 साल से दबा रखी इंक्रीमेंट की राशि, न्याय के लिए 'आमरण अनशन' पर बैठने को मजबूर बीमार बुजुर्ग शिक्षक

गुरु का अपमान बर्दाश्त नहीं,सूरजपुर कलेक्टर से 24 घंटे में भुगतान की मांग,शिक्षक फेडरेशन और कोरिया जन सहयोग समिति ने खोला मोर्चा

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

जिस गुरु ने जीवन के बहुमूल्य वर्ष बच्चों का भविष्य संवारने और राष्ट्र निर्माण में लगा दिए,आज सेवानिवृत्ति के बाद वही बुजुर्ग शिक्षक व्यवस्था की संवेदनहीनता के आगे बेबस और लाचार है,विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय ओड़गी की घोर लापरवाही और कड़वे अनुभवों से तंग आकर सेवानिवृत्त शिक्षक सोनहत निवासी विजय कुमार गुप्ता पूर्व पदस्थ,प्राथमिक शाला पाल केवरा विकासखण्ड ओड़गी ने अब आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है, उन्होंने दफ्तर के सामने ही आमरण भूख हड़ताल पर बैठने की चेतावनी दी है, जिसके बाद से विभागीय गलियारों में हड़कंप मच गया है।

लापरवाही की हद,रिटायरमेंट के बाद भी करा लिया काम, डेढ़ साल से काट रहे चक्कर...

पीड़ित शिक्षक विजय कुमार गुप्ता द्वारा जारी बयान किसी भी संवेदनशील व्यक्ति की आंखें नम कर देने वाला है, उन्होंने बताया कि विभाग ने पहले तो उनके साथ धोखा किया और सेवानिवृत्ति की तय तिथि बीत जाने के बाद भी उनसे जबरन कई महीने तक तक कार्य कराया गया। हद तो तब हो गई जब लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व सेवानिवृत्त होने के बावजूद,दफ्तर के चक्कर काट-काटकर उनके पैर घिस गए, तब कहीं जाकर बड़ी मुश्किल से अप्रैल 2026 में केवल ग्रेच्युटी की राशि मिल सकी।

बुजुर्ग शिक्षक का दर्द

विजय गुप्ता ने बताया कि मै जिला कोरिया का निवासी हूं। उम्र के इस पड़ाव में स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं से जूझ रहा हूं,हर हफ्ते इतनी दूर से आकर ओड़गी दफ्तर के चक्कर लगाना मेरे लिए मानसिक और शारीरिक रूप से जानलेवा साबित हो रहा है, चूंकि मैं अकेला हूं, इसलिए अधिकारी मेरी मजबूरी का फायदा उठा रहे हैं और मेरी समस्याओं को कचरे के डिब्बे में डाल दिया गया है।

2016 से दबाकर बैठे हैं इंक्रीमेंट की राशि!-अधिकारियों की तानाशाही और अकर्मण्यता का आलम देखिए कि पीड़ित शिक्षक के अन्य समस्त सेवानिवृत्ति देयकों का भुगतान तो रोका ही गया है, साथ ही वर्ष 2016 (पिछले 10 सालों से!) से लंबित इंक्रीमेंट एरियर की राशि भी दबाकर रखी गई है,थक-हारकर बुजुर्ग शिक्षक ने चेतावनी दी है कि यदि उनके जीवनभर की जमा पूंजी का भुगतान तुरंत नहीं किया गया,तो वे बीईओ कार्यालय के सामने भूख हड़तालपर बैठ जाएंगे,और यदि उन्हें कुछ भी होता है, तो उसकी पूरी जिम्मेदारी इस संवेदनहीन विभाग की होगी।

शिक्षक संगठन में भारी आक्रोश, यह घोर प्रशासनिक अन्याय है- इस पूरे मामले पर प्रदेश शिक्षक फेडरेशन के उप प्रांताध्यक्ष राजेन्द्र सिंह ने तीखी आपत्ति दर्ज कराई है, उन्होंने बीईओ कार्यालय को आड़े हाथों लेते हुए कहा राज्य शासन के स्पष्ट और कड़े निर्देश हैं कि शासकीय सेवक के रिटायर होते ही उसके सारे स्वत्वों का भुगतान तत्काल हो जाना चाहिए, इसके बावजूद विकासखंड शिक्षा कार्यालय ओड़गी (जिला सूरजपुर) द्वारा एक बुजुर्ग शिक्षक को इस तरह प्रताड़ित करना न केवल घोर प्रशासनिक उदासीनता है, बल्कि एक गुरु के साथ सरेआम अन्याय है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सूरजपुर जिला प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग-फेडरेशन ने सूरजपुर जिला प्रशासन और कलेक्टर से मांग की है कि इस संवेदनशील प्रकरण का तत्काल संज्ञान लिया जाए,बुजुर्ग शिक्षक के सभी लंबित भुगतानों को 24 घंटे के भीतर कराया जाए और एक सेवानिवृत्त कर्मचारी को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने वाले जिम्मेदार अधिकारियों व बाबुओं के खिलाफ तत्काल कड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जाए, ताकि ओड़गी दफ्तर में पसरी इस 'अफसरशाही की अंधी सुरंग' को बंद किया जा सके।

बुजुर्ग शिक्षक को अकेला न समझे विभाग-पुष्पेंद्र राजवाड़े-कोरिया जन सहयोग समिति के अध्यक्ष पुष्पेंद्र राजवाड़े ने पीड़ित शिक्षक के समर्थन में ओड़गी बीईओ कार्यालय के खिलाफ सीधा मोर्चा खोल दिया है, उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सेवानिवृत्ति के डेढ़ साल बाद भी भुगतान न रोकना और 2016 से इंक्रीमेंट दबाकर रखना साफ दर्शाता है कि ओड़गी दफ्तर में बिना 'सुविधा शुल्क' के फाइल आगे नहीं बढ़ती। वहां बैठे अधिकारी और बाबू पूरी तरह निरंकुश व संवेदनहीन हो चुके हैं, राजवाड़े ने जिला प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा, 'कोरिया जन सहयोग समिति एक बुजुर्ग गुरुजी का यह अपमान कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। पीड़ित शिक्षक खुद को अकेला न समझें, पूरी जनता उनके साथ है, यदि तत्काल उनका पूरा भुगतान कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो समिति ओड़गी दफ्तर का घेराव करेगी, अगर गुरुजी भूख हड़ताल पर बैठे, तो पूरा दफ्तर हिलाकर रख दिया जाएगा।

अम्बिकापुर की हजारों नजूल पट्टाधारकों की चिंता बढ़ी

30 साल की लीज अवधि समाप्त,नवीनीकरण के लिए मुख्यमंत्री और कलेक्टर को भेजा गया ज्ञापन

राज्य विधिज्ञ परिषद के अध्यक्ष प्रवीण गुप्ता ने उठाई मांग,पूर्व की व्यवस्था के अनुरूप लीज बढ़ाने का किया आग्रह...

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

नगर निगम अम्बिकापुर क्षेत्र में नजूल भूमि पर निवास एवं व्यवसाय करने वाले हजारों लोगों के लिए राहत की मांग उठी है। राज्य विधिज्ञ परिषद छत्तीसगढ़ की कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता प्रवीण गुप्ता ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय तथा कलेक्टर सरगुजा को ज्ञापन प्रेषित कर नजूल भूमि के पट्टों की लीज अवधि पूर्व की भांति 30 वर्षों के लिए बढ़ाए जाने की मांग की है। ज्ञापन में बताया गया है कि अम्बिकापुर नगर निगम क्षेत्र की

नजूल भूमि को सरगुजा रियासत काल से नगरोत्तर क्षेत्र घोषित किया गया था। इन भूमि पट्टों की लीज अवधि शासन द्वारा समय-समय पर बढ़ाई जाती रही है। पूर्व में शासन ने बिना किसी जटिल प्रक्रिया के केवल सांकेतिक लगान लेकर स्वतः 30 वर्षों के लिए लीज का नवीनीकरण किया था, जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता था।

पूर्व की परंपरा के अनुसार बढ़ाई जाए अवधि

ज्ञापन में कहा गया है कि शासन द्वारा पूर्व में बिना अलग-अलग प्रकरण चलाए स्वतः लीज अवधि बढ़ाई जाती रही है। इसलिए इस बार भी पूर्व की व्यवस्था को बरकरार रखते हुए नजूल भूमि के पट्टों की लीज अवधि 30 वर्षों के लिए बढ़ाई जानी चाहिए। प्रवीण गुप्ता का कहना है कि इससे न केवल हजारों पट्टाधारकों को राहत मिलेगी, बल्कि प्रशासनिक प्रक्रियाएं भी सरल होंगी और नागरिकों को अनावश्यक कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

31 मार्च 2026 को समाप्त हो गई लीज अवधि : प्रवीण गुप्ता ने ज्ञापन में उल्लेख किया है कि नगर निगम अम्बिकापुर क्षेत्र की नजूल भूमि की लीज अवधि 31 मार्च 2026 को समाप्त हो चुकी है। लीज समाप्त होने के बाद बड़ी संख्या में पट्टाधारकों के सामने भविष्य को लेकर अनिश्चितता की स्थिति बन गई है। कई परिवार और व्यापारी वर्षों से इन भूमि पर अपने मकान, दुकान और प्रतिष्ठान संचालित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि लीज अवधि समाप्त होने के कारण नागरिकों के बीच यह चिंता बढ़ रही है कि भविष्य में उनकी भूमि संबंधी स्थिति क्या होगी। ऐसे में शासन को शीघ्र निर्णय लेते हुए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करना चाहिए।

हजारों परिवारों और व्यापारियों को मिलेगा लाभ : अम्बिकापुर नगर निगम क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोग नजूल भूमि पर निवास करते हैं या व्यवसाय संचालित करते हैं। ऐसे में लीज नवीनीकरण का निर्णय सीधे तौर पर हजारों परिवारों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को प्रभावित करेगा। लीज अवधि बढ़ने से भूमि संबंधी अनिश्चितता समाप्त होगी और नागरिकों को अपने अधिकारों को लेकर भरोसा मिलेगा।

जनहित में शीघ्र निर्णय की मांग : राज्य विधिज्ञ परिषद के अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन से जनहित को ध्यान में रखते हुए नजूल भूमि पट्टों की लीज अवधि 30 वर्षों के लिए बढ़ाने संबंधी आवश्यक आदेश जारी करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि समय रहते निर्णय लिए जाने से आम नागरिकों को राहत मिलेगी और भविष्य में किसी प्रकार की प्रशासनिक या कानूनी जटिलता की स्थिति भी उत्पन्न नहीं होगी।

जहरीली शराब ने छीनी बेटे की जान,सदमे में मां ने भी तोड़ा दम

-संवाददाता-

सीतापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के सीतापुर विकासखंड के ग्राम उलकिया में एक ही परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। रोजगार की तलाश में महाराष्ट्र के पुणे गए 35 वर्षीय राजेंद्र टोप्पो की जहरीली शराब के सेवन से मौत हो गई। वहीं जवान बेटे की मौत की खबर सुनते ही उसकी मां सुखमनिया ने भी सदमे में दम तोड़ दिया। मां-बेटे की एक साथ मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार उलकिया निवासी राजेंद्र टोप्पो परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियां संभालने के लिए करीब छह माह पहले पत्नी और दो वर्षीय बेटे के साथ पुणे गया था। वहां पति-पत्नी

मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण कर रहे थे। बताया जाता है कि 26-27 मई को जहरीली शराब के सेवन से राजेंद्र की तबीयत बिगड़ गई और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। राजेंद्र के साथ काम करने वाले लोगों के सहयोग से उसका शव एम्बुलेंस से गृहग्राम उलकिया लाया गया। जैसे ही शव गांव पहुंचा और मां सुखमनिया को बेटे की मौत की जानकारी मिली, वह यह सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकीं। पहले से अस्वस्थ चल रही सुखमनिया ने भी दम तोड़ दिया। एक ही दिन में मां और बेटे की मौत से परिवार पूरी तरह टूट गया। गांव में गमगीन माहौल के बीच दोनों का अंतिम संस्कार एक साथ किया गया। राजेंद्र की मौत के बाद उसकी पत्नी और दो वर्षीय मासूम बेटे के सामने जीवनयापन का संकट खड़ा हो गया है।

गरीबी और बेरोजगारी बनी पलायन की वजह : ग्रामीणों का कहना है कि गांव में रोजगार के अवसर नहीं होने के कारण राजेंद्र को परिवार सहित दूसरे राज्य में मजदूरी करने जाना पड़ा। वर्तमान में कई शासकीय योजनाओं के निर्माण कार्य बंद पड़े हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार का संकट गहरा गया है।

यूपी से अवैध डीजल लाकर खपा रहे थे,बसंतपुर पुलिस ने दबोचा

स्कॉर्पियो से 385 लीटर डीजल जब्त,दो आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए न्यायिक रिमांड पर

-संवाददाता-

बसंतपुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले की बसंतपुर पुलिस ने अवैध रूप से डीजल परिवहन करने वालों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए स्कॉर्पियो वाहन में भरकर उत्तर प्रदेश से छत्तीसगढ़ लाया जा रहा 385 लीटर डीजल जब्त किया है। मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 1 जून 2026 को थाना प्रभारी बसंतपुर को मुखबिर के माध्यम से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक CG-16 CE-9790 में अवैध डीजल भरकर उत्तर प्रदेश के आसनडीह क्षेत्र से बसंतपुर थाना क्षेत्र के स्याही गांव की ओर आ रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई की योजना बनाई।

एमसीपी प्वाइंट पर घेराबंदी कर पकड़ा वाहन

मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना बसंतपुर के सामने एमसीपी (मोटर चेकिंग प्वाइंट) लगाकर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान बताए गए नंबर की स्कॉर्पियो वहां पहुंची, जिसे रोककर पुलिस ने जांच की। वाहन में सवार चालक गुल्लु कनौजिया (38 वर्ष) निवासी ग्राम स्याही तथा उसके साथी राहुल जायसवाल (22 वर्ष) निवासी मेदारी थाना बसंतपुर से पूछताछ की गई।

सीडब्ल्यूआरडी और रेस्ट ऑफ सरगुजा फाइनल में

एमएस सिंहदेव अंडर-16 पिंक-बॉल टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबले संपन्न

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

एमएस सिंहदेव अंडर-16 पिंक-बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मुकाबलों में युवा खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। दोनों मैचों में जीत दर्ज कर सीडब्ल्यूआरडी और रेस्ट ऑफ सरगुजा की टीम ने फाइनल में जगह बना ली। वहीं सरगुजा रॉयल और विनायकम एकेडमी का सफर सेमीफाइनल में ही समाप्त हो गया। पहले सेमीफाइनल में रेस्ट ऑफ सरगुजा ने निर्धारित 20 ओवर में 112 रन बनाए। नवीन ठाकुर ने 41 और स्वास्तिक केशरी ने 34 रन की उपयोगी पारी खेली। जवाब में सरगुजा रॉयल की ओर से युग गोयल ने 2 विकेट लेकर टीम को मुकाबले में बनाए रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सरगुजा रॉयल की टीम 104 रन पर सिमट गई। गगन बोस ने 33 रन बनाकर संघर्ष किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। रेस्ट ऑफ सरगुजा के वेदांता गुप्ता ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट झटके और टीम को फाइनल में पहुंचाया। उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें मैन ऑफ द मैच चुना गया।

सीडब्ल्यूआरडी ने विनायकम को हराकर बनाई फाइनल में जगह : दूसरे सेमीफाइनल में विनायकम एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 77 रन बनाए। नैतिक चौधरी ने सर्वाधिक 40 रन की पारी खेली, लेकिन अन्य बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। सीडब्ल्यूआरडी की ओर से स्पिनर रूद्र प्रताप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट हासिल किए। जवाब में सीडब्ल्यूआरडी ने लक्ष्य को 12वें ओवर में ही हासिल कर फाइनल का टिकट कटाया। रूद्र प्रताप सिंह ने 14 रन बनाने के साथ 3 विकेट भी लिए और मैन ऑफ द मैच बने। संघ के सचिव विनीत जायसवाल ने कहा कि टूर्नामेंट युवा खिलाड़ियों को प्रतिस्पर्धात्मक माहौल में खेलने का बेहतर अवसर प्रदान कर रहा है। अब फाइनल मुकाबला सीडब्ल्यूआरडी और रेस्ट ऑफ सरगुजा के बीच खेला जाएगा।

सरगुजा महाराज स्व. मदनेश्वर शरण सिंहदेव की 96वीं जयंती पर कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

सरगुजा महाराज स्व. मदनेश्वर शरण सिंहदेव की 96वीं जयंती के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा राजीव भवन में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उनकी तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए तथा सरगुजा क्षेत्र के विकास में उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम के तहत प्रतीक्षा बस स्टैंड स्थित स्व. मदनेश्वर शरण सिंहदेव एवं स्व. राजमाता देवेंद्र कुमारी सिंहदेव की युगल प्रतिमा पर भी माल्यार्पण किया गया। इसके बाद माँ महामाया मंदिर में भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। जिला कांग्रेस अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि राजपरिवार से संबंध रखने के बावजूद स्व. एम.एस. सिंहदेव ने प्रशासनिक सेवा के माध्यम से जनसेवा को अपना जीवन लक्ष्य बनाया। वर्ष 1954 में उनका चयन भारतीय प्रशासनिक सेवा में हुआ था। उन्होंने कलेक्टर, संभागायुक्त एवं विभिन्न मंत्रालयों में सचिव जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया तथा संयुक्त मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने बताया कि स्व. सिंहदेव के प्रशासनिक अनुभव और कार्यकुशलता को देखते हुए सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें मध्यप्रदेश योजना आयोग का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया था। भूमिहीन परिवारों को भूमि अधिकार दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाली प्रसिद्ध

'सिंहदेव योजना' उनकी ही देन थी। वर्ष 1971 में राजस्व विभाग के सचिव रहते हुए उन्होंने किसानों और भूमिस्वामियों के हित में ऋण पुस्तिका जारी करने की महत्वाकांक्षी योजना का सुझाव तत्कालीन राज्य सरकार को दिया था, जिसे तुरंत लागू किया गया। इस योजना के माध्यम से भूमि अभिलेखों का एकीकरण हुआ और भूमिस्वामियों को बड़ी राहत मिली। आज भी उस समय जारी ऋण पुस्तिकाओं पर उनके हस्ताक्षर उनकी दूरदर्शी सोच की गवाही देते हैं। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अमरजीत भगत, जे.पी. श्रीवास्तव, डॉ. अजय तिर्की, शफी अहमद, द्वितेंद्र मिश्रा, हेमंत सिन्हा, विनय शर्मा, इंद्रजीत सिंह धंजल, मोहम्मद इस्लाम, रामविनय सिंह, जगन्नाथ कुशवाहा, मधु दीक्षित, सत्येंद्र तिवारी, संजय विश्वकर्मा, दुर्गेश गुप्ता, प्रशांत सिंह 'चीकू', सुधांशु गुप्ता, सीमा सोनी, राशिद अहमद, बिज्जू गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय को मिलेगी डिजिटल परीक्षा सुविधा

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)।

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, सरगुजा अंबिकापुर में आज विश्वविद्यालय के ऑनलाइन परीक्षा प्लेटफॉर्म 'SGGU ETEST' के संचालन एवं तकनीकी सहयोग हेतु एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर राजेंद्र लाकपाले की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. शारदा प्रसाद त्रिपाठी तथा के आर टेक्निकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रितेश वर्मा द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। समझौता ज्ञापन के तहत विश्वविद्यालय से संबद्ध महाविद्यालयों को 'SGGU ETEST' ऑनलाइन परीक्षा प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाएगा। इसके माध्यम से महाविद्यालय CIA-1 एवं CIA-2 परीक्षाओं का

संचालन डिजिटल माध्यम से कर सकेंगे। प्लेटफॉर्म पर प्रत्येक महाविद्यालय को पृथक लॉगिन आईडी एवं पासवर्ड प्रदान किया जाएगा,जिससे वे विद्यार्थियों का पंजीयन,विषयवार प्रश्न अपलोड, परीक्षा तिथि एवं समय निर्धारण तथा परीक्षा परिणाम प्राप्त करने जैसी प्रक्रियाएं ऑनलाइन संचालित कर सकेंगे। इस अवसर पर के आर टेक्निकल कॉलेज,संजय नगर के शासी निकाय के अध्यक्ष कान्त दुबे एवं उपाध्यक्ष राहुल जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

मै विजय प्रसाद गुप्ता (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री दिनेश प्रसाद गुप्ता गाँव/शहर महुआपारा, थाना-गांधीनगर तहसील-अम्बिकापुर जिला -सरगुजा छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम अमर कुमार गुप्ता (पुराना नाम) से बदल कर अमरजीत कुमार गुप्ता (नया नाम) रख लिया है।

पालक
विजय प्रसाद गुप्ता
महुआपारा,गांधीनगर,अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

मै दीपक दुबे (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री विश्वदे दुब गाँव/शहर बंसीपुर तहसील-प्रतापपुर जिला -सूरजपुर,छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम रूद्र कुमार दुबे (पुराना नाम) से बदल कर रूद्र दुबे (नया नाम) रख लिया है।

पालक
विजय प्रसाद गुप्ता
महुआपारा,गांधीनगर,अम्बिकापुर
जिला-सरगुजा,छत्तीसगढ़

कार्यालय कार्यपालन अभियंता

लोक निर्माण विभाग (भ/स) अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर

निविदा आमंत्रण तिथि - 29/05/2026

ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

1. निविदा की विस्तृत जानकारी के लिये Lig in करें http://eproc,csstate.gov.in
2. संबंधित संभाग- रामानुजगंज संभाग
3. स.क्रं. - 01 -'द' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार एव स.क्र. 02-'स' वर्ग एवं ऊपर ठेकेदार
4. ऑनलाईन निविदा डालने की अंतिम तिथि - 08.06.2026

स. क्र.	एन.आई. टी.क्र.	कार्य का नाम	अमानत लागत (लाख में)
1	2	3	4
1	65	उपसंभाग वाड्रफनगर में प्रतापपुर सेमरसोत मार्ग (राज्य मार्ग क्र. 12) में बी. टी. पैच रिपेयर का कार्य (प्रथम आमंत्रण)	19.99
2	66	जिला बलरामपुर रामानुजगंज अंतर्गत बलरामपुर (तामेश्वर नगर) हवाई पट्टी का उन्नयन एवं सुधार कार्य (शेष कार्य) (प्रथम आमंत्रण)	161.98

कार्यपालन अभियंता
लोक निर्माण विभाग
अम्बिकापुर मण्डल,अम्बिकापुर

जी0नं0 -26271114/4

चिरमिरी में विकास को मिली नई रफ्तार

6 निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने किया

632.09 लाख रुपये के विकास कार्यों का शुभारंभ

सड़क, प्रकाश व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर जोर

-संवाददाता-
चिरमिरी,02 जून 2026 (घटती-घटना)।
नगर पालिक निगम चिरमिरी क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति देते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के मुख्य आतिथ्य में 632.09 लाख रुपये की लागत के छह महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास संपन्न हुआ। बड़ा बाजार स्थित दुर्गा पंडाल में आयोजित कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, निगम पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही।

कार्यक्रम के दौरान जिन प्रमुख विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं शिलान्यास किया गया उनमें अहिंसा चौक हल्दीबाड़ी से अग्रसेन चौक बड़ा बाजार तक सड़क चौड़ीकरण कार्य (192.77 लाख रुपये), वार्ड क्रमांक-19 शंभू चौक से रेलवे स्टेशन तक रिटर्निंग वॉल एवं सीसी रोड निर्माण (72.30 लाख रुपये), वार्ड क्रमांक-13 हल्दीबाड़ी अहिंसा चौक से रेलवे स्टेशन पहुंच मार्ग तक सीसी रोड निर्माण (37.93 लाख रुपये), बस स्टैंड चौक हल्दीबाड़ी में हाई मास्ट लाइट स्थापना (4.50 लाख रुपये), अहिंसा चौक से रेलवे स्टेशन रोड तक स्ट्रीट लाइट स्थापना (7.66 लाख रुपये) तथा गोदरीपारा से डोमन हिल तक गौरव पथ एवं प्रकाश व्यवस्था निर्माण (217.47 लाख रुपये) शामिल हैं।

विरोध के कारण हुई देरी,अब बिना बाधा के होगा विकास : मेयर रामनरेश राय

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महापौर रामनरेश राय ने कहा कि इन विकास कार्यों का भूमिपूजन पहले ही हो जाना चाहिए था,लेकिन कुछ विरोधी तत्व लगातार अड़चनें उत्पन्न करते रहे, उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कुछ लोगों ने विकास कार्यों में व्यवधान डालने का प्रयास किया, जिससे प्रक्रिया में विलंब हुआ, बावजूद इसके नगर निगम और प्रदेश सरकार ने चिरमिरी के विकास का संकल्प नहीं छोड़ा। उन्होंने कहा कि अब सभी आवश्यक प्रक्रियाएं पूरी हो चुकी हैं और बिना किसी बाधा के लगभग साढ़े पांच करोड़ रुपये की लागत से शहर में गुणवत्तापूर्ण सड़कें और बेहतर प्रकाश व्यवस्था का निर्माण होगा, मेयर ने कहा कि इन कार्यों को स्वीकृति दिलाने और धरातल पर उतारने में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की विशेष भूमिका रही है, इसके लिए उन्होंने चिरमिरी की जनता की ओर से मंत्री का आभार व्यक्त किया।

बिजली, सड़क और पानी चिरमिरी के लिए हमारा ड्रीम प्रोजेक्ट : स्वास्थ्य मंत्री

मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि आज जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन हो रहा है,वे चिरमिरीवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों का परिणाम हैं, उन्होंने कहा कि शहर की जर्जर सड़कों को लेकर लगातार मांग उठ रही थी, हालांकि कार्यों में कुछ देरी हुई, लेकिन यह देरी केवल इसलिए हुई ताकि सभी कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रियाएं पूरी कर ली जाएं और भविष्य में किसी प्रकार की बाधा या स्थगन जैसी स्थिति उत्पन्न न हो, उन्होंने कहा कि दूध का जला छाछ भी फूंक-फूंक कर पीता है,इसलिए सरकार ने पूरी सावधानी के साथ प्रक्रिया पूरी कराई,मंत्री ने कहा कि चिरमिरी के लिए बिजली, सड़क और पानी उनका ड्रीम प्रोजेक्ट है,वर्षों से खनन गतिविधियों पर निर्भर रहा यह क्षेत्र बिजली,पानी और सड़कों जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए एसईसीएल पर आश्रित था,लेकिन अब राज्य सरकार इन समस्याओं का स्थायी समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है,उन्होंने बताया कि प्रत्येक घर तक नल कनेक्शन पहुंचाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है, बिजली व्यवस्था के लिए राशि स्वीकृत की जा चुकी है तथा आज के भूमिपूजन के माध्यम से सड़क और प्रकाश व्यवस्था के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं में भी हो रहा बड़ा विस्तार

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि चिरमिरी में शिक्षा के क्षेत्र में पॉलीटेक्निक कॉलेज, हॉर्टिकल्चर कॉलेज, लाहिड़ी कॉलेज तथा नालंदा परिसर जैसे संस्थान युवाओं के लिए नए अवसर प्रदान कर रहे हैं और भविष्य में करेंगे। वहीं स्वास्थ्य सेवाओं में भी अभूतपूर्व सुधार हुआ है,उन्होंने बताया कि एक समय यहां का अस्पताल मात्र चार डॉक्टरों के भरोसे संचालित होता था, जबकि आज 25 से अधिक चिकित्सक सेवाएं दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि आगामी एक सप्ताह के भीतर डायलिसिस सेंटर का शुभारंभ किया जाएगा, लगभग 8 करोड़ रुपये की लागत से सीटी स्कैन मशीन अगले एक से डेढ़ माह में प्रारंभ हो जाएगी। इसके अलावा 13 करोड़ रुपये की लागत से क्रिटिकल केयर यूनिट का निर्माण कार्य भी जारी है।

659 करोड़ की रेलवे परियोजना बदलेगी क्षेत्र की तस्वीर

श्री जायसवाल ने कहा कि 659 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत नई रेलवे लाइन परियोजना क्षेत्र की दशा और दिशा दोनों बदलने का काम करेगी, उन्होंने कहा कि सरकार दूरस्थ क्षेत्रों तक भी विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है, लामीगोड़ा जैसे ग्रामीण इलाकों में बिजली पहुंचाने का कार्य इसका उदाहरण है, उन्होंने कहा कि केंद्र, राज्य और स्थानीय निकाय में एक ही दल की सरकार होने का लाभ क्षेत्र को मिल रहा है और इसी कारण चिरमिरी सहित पूरे क्षेत्र का चहुंमुखी विकास संभव हो पा रहा है।

ये रहे उपस्थित

कार्यक्रम में सभापति संतोष सिंह, पुरुषोत्तम सोनकर,राजकुमार बधावन, नीलम सलूजा,अरविंद एस. अग्रवाल, पूर्व महापौर डमरू बेहरा,नरेंद्र साहू,पूर्वा स्थापक,मनीष खटीक, विधायक प्रतिनिधि राजू नायक,बबलू शर्मा,निगम आयुक्त आर.पी.आंचला,उमेश तिवारी,विक्टर वर्मा,बसंत जायसवाल,एमआईसी सदस्य, निगम पार्षद,भाजपा महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में चिरमिरीवासी उपस्थित रहे।

मंत्री ने दिखाई खेती की ताकत,फार्महाउस से साझा की प्रकृति के साथ बिताए पलों की झलक

बेलबेहरा स्थित फार्महाउस पहुंचे स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,पेड़ों से तोड़े आम और कटहल

कहा...प्रकृति का अनुपम उपहार मन को आनंद और कृतज्ञता से भर देता है...

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़/एमसीबी,02 जून 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जयसवाल ने अपने बेलबेहरा स्थित फार्महाउस की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते हुए प्रकृति और खेती से अपने जुड़ाव की झलक दिखाई, मंत्री ने फार्महाउस भ्रमण के दौरान वहां लगे विभिन्न प्रकार के फलदार वृक्षों, सब्जियों और पौधों का अवलोकन किया तथा पेड़ों से स्वयं आम और कटहल भी तोड़े, सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने संदेश में स्वास्थ्य मंत्री ने लिखा कि प्रकृति का सौंदर्य और उसके द्वारा प्रदान किए गए उपहार मन को विशेष आनंद प्रदान करते हैं,उन्होंने कहा कि ताजे और प्राकृतिक फलों की मिठास का अनुभव अलग ही सुख देता है और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव जगाता है।

फलदार वृक्षों और हरियाली का लिया जायजा-फार्महाउस भ्रमण के दौरान मंत्री ने विभिन्न प्रजातियों के फलदार वृक्षों,सब्जियों और अन्य पौधों की स्थिति का अवलोकन किया,आम, कटहल सहित कई पौधों की बढ़वार और उत्पादन को देखा तथा प्राकृतिक खेती और हरियाली के महत्व पर भी चर्चा की, बताया जाता है कि बेलबेहरा स्थित फार्महाउस में विविध प्रकार के फलदार पौधों का रोपण किया गया है,जहां समय-समय पर मंत्री स्वयं भी पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हैं।

प्रकृति से जुड़ाव का दिया संदेश-स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संदेश में कहा कि आधुनिक जीवन की व्यस्तताओं के बीच प्रकृति के साथ कुछ समय बिताना मानसिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है, उन्होंने लोगों से भी पर्यावरण संरक्षण,वृक्षारोपण और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के प्रति जागरूक रहने की अपील की।

सोशल मीडिया पर मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया- मंत्री द्वारा साझा की गई तस्वीरों और संदेश को सोशल मीडिया पर लोगों ने सराहा, अनेक लोगों ने इसे प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश बताया। वहीं कई लोगों ने ग्रामीण परिवेश,खेती-किसानी और प्राकृतिक जीवनशैली से जुड़े रहने की मंत्री की पहल की प्रशंसा की, स्वास्थ्य मंत्री की इस पोस्ट ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि राजनीतिक और प्रशासनिक व्यस्तताओं के बीच भी प्रकृति से जुड़ाव व्यक्ति को नई ऊर्जा और सुकून प्रदान करता है।

राजस्थान भवन में गूंजा 'मन की बात' का संदेश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को सुनने उमड़ी जनभागीदारी,राष्ट्र निर्माण में योगदान का लिया संकल्प,स्वास्थ्य मंत्री और भाजपा पदाधिकारियों की रही मौजूदगी

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़,02 जून 2026 (घटती-घटना)।
राजस्थान भवन मनेंद्रगढ़ में रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम'मन की बात'के सामूहिक श्रवण का आयोजन किया गया,कार्यक्रम में प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल,भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पा देवी पावले, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष लखन लाल श्रीवास्तव, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यावरण, स्वच्छता और आत्मनिर्भर भारत पर दिया जोर

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पर्यावरण संरक्षण,स्वच्छता,महिला सशक्ति करण,युवा शक्ति, नवाचार, आत्मनिर्भर भारत,सामाजिक समरसता और जन भागीदारी जैसे विषयों पर विस्तार से चर्चा की, उन्होंने देशभर में सकारात्मक परिवर्तन लाने वाले व्यक्तियों और समूहों के प्रयासों का उल्लेख करते हुए नागरिकों से राष्ट्रहित में योगदान देने का आह्वान किया,प्रधानमंत्री ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की भूमिका महत्वपूर्ण है तथा समाज के हर वर्ग को सकारात्मक बदलाव का भागीदार बनना चाहिए।

'मन की बात' समाज को सकारात्मक दिशा देने वाला कार्यक्रम : स्वास्थ्य मंत्री

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि'मन की बात'केवल एक रेडियो कार्यक्रम नहीं,बल्कि प्रधानमंत्री और देशवासियों के बीच आत्मीय संवाद का माध्यम है, यह कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच और रचनात्मक कार्यों को बढ़ावा देता है, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संदेश लोगों को अपने सामाजिक और राष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन करने के लिए प्रेरित करते हैं।

जनसंवाद की नई परंपरा बनी 'मन की बात' : चम्पा देवी पावले

भाजपा जिलाध्यक्ष चम्पा देवी पावले ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' के माध्यम से जनसंवाद की एक नई परंपरा स्थापित की है, यह कार्यक्रम समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और नवाचारों को राष्ट्रीय पहचान दिलाने का कार्य कर रहा है, इससे नागरिकों में सकारात्मक सोच और समाजसेवा की भावना विकसित होती है।

विकास,संस्कृति और राष्ट्रभक्ति को मिल रही मजबूती

पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष लखन लाल श्रीवास्तव ने कहा कि प्रधानमंत्री के विचार देश को विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रहे हैं,वहीं जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह ने कहा कि 'मन की बात' समाज के प्रेरणादायक लोगों की कहानियों को देश के सामने लाने का महत्वपूर्ण मंच बन गया है, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव ने महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता पर प्रधानमंत्री के विचारों को जनजागरण का माध्यम बताया,पूर्व योग आयोग अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने स्वास्थ्य, योग और स्वस्थ जीवनशैली पर प्रधानमंत्री द्वारा दिए जा रहे संदेशों को समाज के लिए उपयोगी बताया।

युवाओं को नवाचार और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा

युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अंकित शर्मा ने कहा कि 'मन की बात' युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप, तकनीक और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रामचरित द्विवेदी ने कहा कि यह कार्यक्रम देशभर में हो रहे सकारात्मक प्रयासों को सम्मान देने का मंच बन चुका है।

राष्ट्रहित और जनसेवा के संकल्प के साथ कार्यक्रम संपन्न

कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने विकसित भारत,आत्मनिर्भर भारत और स्वच्छ भारत के संकल्प को साकार करने में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का संकल्प लिया,राजस्थान भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता रही और पूरा वातावरण राष्ट्रहित,जनसेवा तथा सकारात्मक ऊर्जा से ओतप्रोत दिखाई दिया।

CMYK

246.75 टन खाद घोटाले पर फूटा जनाक्रोश!

सह-आरोपियों की गिरफ्तारी और उच्चस्तरीय जांच की मांग तेज

सिर्फ एक गिरफ्तारी से नहीं थमा विवाद!

-राजेन्द्र शर्मा-

खड़गवां,02 जून 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले की आदिम जाति सेवा सहकारी समिति जिल्दा में सामने आए 246.75 मीट्रिक टन खाद घोटाले ने अब प्रशासनिक और राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है, किसानों के लिए भेजी गई खाद के कथित गबन और अवैध बिक्री के आरोपों के बीच जहां एक ओर पुलिस ने समिति प्रबंधक अखिल चंद्र को गिरफ्तार कर कार्रवाई शुरू की है,वहीं दूसरी ओर इस कार्रवाई को अधूरा बताते हुए गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने मोर्चा खोल दिया है, पार्टी का आरोप है कि इतने बड़े घोटाले को केवल एक व्यक्ति तक सीमित कर जांच को कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि मामले में कई अन्य लोगों की भूमिका सामने आ चुकी है, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने एसडीएम बैकुंठपुर को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की उच्चस्तरीय और निष्पक्ष जांच की मांग की है,पार्टी नेताओं का कहना है कि खाद घोटाले की जांच केवल औपचारिकता बनकर रह गई है और वास्तविक दोषियों तक कार्रवाई नहीं पहुंच पा रही है,ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि राजनीतिक और प्रभावशाली लोगों के दबाव के कारण जांच प्रभावित हो रही है, जिससे किसानों और आम जनता के बीच आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

पूरे मामले की जड़ में वही सवाल है जो क्षेत्र के किसान लगातार पूछ रहे हैं–किसानों के लिए आई 246.75 मीट्रिक टन खाद आखिर गई कहां? जांच के दौरान सामने आए तथ्यों और विभिन्न स्तरों पर हुई पूछताछ से यह संकेत मिले हैं कि बड़ी मात्रा में खाद कथित रूप से बिचौलियों के माध्यम से बेची गई, यदि ऐसा हुआ है तो यह केवल विभागीय लापरवाही नहीं बल्कि किसानों के अधिकारों और सरकारी संसाधनों के साथ गंभीर खिलवाड़ माना जाएगा,क्षेत्र के किसानों का कहना है कि खेती के मौसम में उन्हें खाद के लिए समितियों के चक्कर लगाने पड़े, जबकि अब यह आरोप सामने आ रहे हैं कि वही खाद खुले बाजार और बिचौलियों के माध्यम से खपाई जा रही थी, यही कारण है कि मामला अब केवल प्रशासनिक जांच तक सीमित नहीं रह गया है बल्कि जनभावनाओं से जुड़ा मुद्दा बन गया है।

घटती घटना | कोरिया- सूरजपुर समाचार | अम्बिकापुर शनिवार 30 मई 2026 | 5

खेतों तक नहीं पहुँची खाद,लेकिन बिचौलियों तक कैसे पहुँची? 246.75 मेट्रिक टन घोटाले पर गरमाई राजनीति

किसानों की खाद पर किसका कब्जा? गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने खोला मोर्चा
गोदाम खाली, किसान परेशान और अब खुल रहा खाद घोटाले का राज
खाद घोटाले में नए नामों की चर्चा,कार्रवाई नहीं होने पर उठे सवाल
246.75 मेट्रिक टन खाद का खेल: किसान लाइन में...बिचौलियों के गोदाम फुल!
खाद घोटाले पर राजनीतिक संग्राम : दोषियों पर कार्रवाई नहीं तो आंदोलन की चेतावनी
किसानों का हक कौन खा गया? खाद घोटाले में निष्पक्ष जांच की मांग तेज

खड़गवां, 29 मई 2026 (घटती-घटना)।

यह घोटाला नहीं,किसानों के अधिकारों की लूट

दोषियों को बचाने की कोशिश?

पुलिस जांच से बढ़ा दबाव

ग्रामीणों में गुस्सा,किसानों में अविश्वास

किसानों की खाद या नेताओं-बिचौलियों की दावत?
1800 बोरी खाद बेचने की कबूली बात से मचा हड़कंप

किसानों के हक की लड़ाई या राजनीतिक संघर्ष?

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि खाद घोटाले का मुद्दा अब केवल जांच का विषय नहीं रहा, बल्कि किसानों के अधिकारों और जवाबदेही की मांग का प्रतीक बनता जा रहा है, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी इसे किसानों के हितों की लड़ाई बता रही है, जबकि विपक्षी दल भी मामले पर लगातार सवाल उठा रहे हैं, पार्टी नेताओं का कहना है कि यदि किसानों के लिए भेजी गई खाद का दुरुपयोग हुआ है तो यह सीधे-सीधे ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कृषि व्यवस्था पर हमला है, ऐसे मामलों में दोषियों को बचाने की बजाय उदाहरण प्रस्तुत करने वाली कार्रवाई होनी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति किसानों के हिस्से के संसाधनों में हेराफेरी करने का साहस न कर सके।

एक गिरफ्तारी,कई सवाल

समिति प्रबंधक अखिल चंद्र की गिरफ्तारी के बाद उम्मीद थी कि जांच तेजी से आगे बढ़ेगी और पूरे नेटवर्क का खुलासा होगा, लेकिन अब तक केवल एक गिरफ्तारी होने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं,स्थानीय लोगों और राजनीतिक दलों का कहना है कि यदि खाद के भंडारण,परिवहन और बिक्री में बड़े पैमाने पर अनियमितता हुई है तो इसकी जिम्मेदारी केवल एक व्यक्ति पर नहीं डाली जा सकती, ग्रामीणों का आरोप है कि जांच के दौरान कुछ अन्य नाम भी सामने आए हैं,लेकिन उनके खिलाफ अब तक कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है। यही वजह है कि लोगों के बीच यह चर्चा तेज हो गई है कि कहीं जांच को सीमित करने की कोशिश तो नहीं की जा रही।

4 जून से आंदोलन की चेतावनी

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने प्रशासन को स्पष्ट अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि सभी सह-आरोपियों की गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित नहीं की गई तो 4 जून 2026 से पोड़ी बचरा में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू किया जाएगा, पार्टी के ब्लॉक अध्यक्ष द्वारा दिए गए ज्ञापन में कहा गया है कि आंदोलन केवल धरने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें रैली, जनसभा और व्यापक जनसंपर्क अभियान भी शामिल होंगे, आंदोलन के दौरान सड़क जाम जैसे कार्यक्रमों की संभावना भी जताई गई है, इससे प्रशासन की चिंता बढ़ गई है क्योंकि आंदोलन का असर क्षेत्र की कानून-व्यवस्था और आवागमन पर पड़ सकता है।

प्रशासन पर बढ़ता दबाव

आंदोलन की घोषणा के बाद प्रशासन पर दबाव लगातार बढ़ रहा है, एक ओर पुलिस जांच जारी है तो दूसरी ओर राजनीतिक संगठनों और ग्रामीणों की ओर से निष्पक्ष कार्रवाई की मांग तेज होती जा रही है,प्रशासन के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह जांच की पारदर्शिता को लेकर उठ रहे सवालों का जवाब दे और यह विश्वास दिलाए कि कानून सभी के लिए समान है, यदि 4 जून से पहले जांच में कोई बड़ा कदम नहीं उठाया गया तो आंदोलन और व्यापक रूप ले सकता है। इससे न केवल प्रशासनिक व्यवस्था प्रभावित होगी बल्कि खाद घोटाले को लेकर जनता का आक्रोश भी और बढ़ सकता है।

अब सबकी नजर अगली कार्रवाई पर

246.75 मीट्रिक टन खाद घोटाले ने कोरिया जिले की राजनीति और प्रशासन दोनों को कटघरे में खड़ा कर दिया है, किसानों को न्याय मिलेगा या नहीं,पूरे नेटवर्क का खुलासा होगा या नहीं, और जांच वास्तविक दोषियों तक पहुंचेगी या नहीं–ये ऐसे सवाल हैं जिनका जवाब आने वाले दिनों में प्रशासन और पुलिस की कार्रवाई तय करेगी,फिलहाल इतना तय है कि खाद घोटाले की आग अब सहकारी समिति की चारदीवारी से निकलकर जनआंदोलन का रूप लेती दिखाई दे रही है,4 जून को प्रस्तावित आंदोलन से पहले प्रशासन क्या कदम उठाता है,इस पर पूरे जिले की नजर टिकी हुई है।

किसान क्रेडिट कार्ड के नाम पर लाखों की ठगी,फरार आरोपी आखिरकार पुलिस गिरफ्त में

प्रेमनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई,कई ग्रामीणों से धोखाधड़ी का खुलासा...

-संवाददाता-

सूरजपुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)। किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) बनवाने और लाखों रुपये का लोन दिलाकर आधी राशि माफ कराने का झांसा देकर ग्रामीणों से धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को थाना प्रेमनगर पुलिस ने आखिरकार गिरफ्तार कर लिया है, लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को पुलिस ने दबिश देकर पकड़ा और न्यायिक रिमांड पर भेज दिया है। मामले में प्रार्थी मोतीराम पिता भुनेश्वर सिंह,निवासी चंदननगर थाना प्रेमनगर ने 1 मई 2026 को थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत में बताया गया कि गांव के ही आरोपी गोरेलाल सिंह ने वर्ष 2022 में किसान क्रेडिट कार्ड बनवाने का लालच दिया था। आरोपी ने कहा था कि 3 से 4 लाख रुपये का लोन मिलेगा और उसका आधा हिस्सा माफ हो जाएगा, झांसे में लेकर आरोपी ने प्रार्थी और उसके पिता के संयुक्त खाते से लगभग 9 लाख 95 हजार रुपये का लोन निकलवा लिया,आरोप है कि आरोपी ने प्रार्थी को केवल 1 लाख रुपये देकर बाकी रकम खुद हड़प ली,इतना ही नहीं,आरोपी ने चेकबुक और एटीएम कार्ड अपने पास रखकर खाते से पूरा पैसा निकाल लिया और किस्त पटाने का भरोसा देता रहा,शिकायत के आधार पर थाना प्रेमनगर में आरोपी के खिलाफ धारा 420 और 120-बी के तहत अपराध दर्ज किया गया, मामले की गंभीरता को देखते हुए डीआईजी और एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर ने आरोपी की जल्द गिरफ्तारी के निर्देश दिए थे,पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी। बताया जा रहा है कि आरोपी लगातार ठिकाने बदल रहा था ताकि पुलिस से बच सके, आखिरकार पुलिस को उसके करजी क्षेत्र में छिपे होने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम ने घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया,पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने केवल मोतीराम ही नहीं बल्कि अन्य ग्रामीणों के साथ भी इसी तरह धोखाधड़ी कर रकम हड़पी है, पुलिस ने आरोपी के कब्जे से घटना में इस्तेमाल की गई होंडा साइन मोटरसाइकिल,टीवीएस इलेक्ट्रिक स्कूटी, स्टेट बैंक का चेकबुक और एटीएम कार्ड भी जब्त किए हैं, गिरफ्तार आरोपी गोरेलाल सिंह पिता स्वर्गीय नान्ही राम उम्र 48 वर्ष निवासी चंदननगर थाना प्रेमनगर को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया,जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया, पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी विराट बिशी,एएसआई सिप्रियन टोप्पो,प्रधान आरक्षक विनय किस्पोट्टा,आरक्षक सत्यम सिंह,दीपक यादव,संतोष ठाकुर,बृजेश काशी, हरिश्चंद दास एवं महिला आरक्षक सिंधु कुजूर की सक्रिय भूमिका रही।

साहू समाज में सहयोग राशि पर संग्राम!

पर्सनल में बात करो,नहीं तो पेपर में छप जाएगा... वायरल चैट ने खोली समाज की अंदरूनी कलह...

सूरजपुर आयोजन के लिए जुटाए गए चंदे पर उठे सवाल...हिसाब मांगने पर शुरू हुई आरोप-प्रत्यारोप की जंग...

-ओंकार पाण्डेय-

कोरिया/सूरजपुर,02 जून 2026 (घटती-घटना)। साहू समाज में इन दिनों सामाजिक एकता से ज्यादा चर्चा सहयोग राशि और उसके हिसाब-किताब की हो रही है,समाज के व्हाट्सऐप ग्रूप में वायरल हो रही बातचीत ने ऐसे सवाल खड़े कर दिए हैं जिनका जवाब अब केवल ग्रुप में इमोजी भेजकर नहीं दिया जा सकता, मामला सूरजपुर में आयोजित एक सामाजिक कार्यक्रम के लिए विभिन्न जिलों से एकत्र की गई सहयोग राशि से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

वायरल चैट के अनुसार सूरजपुर जिला साहू समाज के पदाधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से यह सवाल उठाया कि कोरिया जिले से सहयोग राशि अब तक प्राप्त नहीं हुई है, इसके बाद जो संवाद शुरू हुआ उसने पूरे मामले को और विवादित बना दिया,समाज के सदस्य एक-दूसरे से पूछने लगे कि आखिर वह राशि गई कहां,जो समाज के नाम पर लोगों से एकत्र की गई थी? कुछ लोगों ने दावा किया कि कोरिया जिले के विभिन्न क्षेत्रों से कार्यक्रम के लिए सहयोग राशि एकत्र की गई थी,लेकिन वह राशि आयोजन तक नहीं पहुंची।

व्हाट्सएप ग्रुप बना सामाजिक अदालत

आमतौर पर समाज के व्हाट्सएप ग्रुप शुभकामनाओं, श्रद्धांजलि संदेशों और कार्यक्रमों की सूचनाओं से भरे रहते हैं, लेकिन इस बार ग्रुप में सवालों की बौछार शुरू हो गई, सूरजपुर के पदाधिकारियों द्वारा सहयोग राशि नहीं मिलने की बात सामने आने के बाद कई सदस्यों ने खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर की, किसी ने पूछा कि पैसा कहां गया, तो किसी ने हिसाब सार्वजनिक करने की मांग कर दी, मामला तब और रोचक हो गया जब एक सदस्य ने कथित तौर पर लिख दिया कि पर्सनल में बात करो, नहीं तो पेपर में छप जाएगा, बस फिर क्या था, यह एक वाक्य पूरे विवाद का केंद्र बन गया, लोगों ने सवाल उठाना शुरू कर दिया कि यदि सब कुछ पारदर्शी है तो फिर सार्वजनिक चर्चा से परहेज क्यों?

चंदा समाज का,हिसाब किसका?

समाज के जानकारों का कहना है कि किसी भी सामाजिक संगठन की सबसे बड़ी पूंजी उसका विश्वास होता है, समाज के लोग कार्यक्रमों के लिए इसलिए सहयोग देते हैं क्योंकि उन्हें भरोसा होता है कि राशि निर्धारित उद्देश्य के लिए खर्च होगी,लेकिन जब स्वयं समाज के भीतर से यह सवाल उठने लगे कि सहयोग राशि आयोजन तक पहुंची या नहीं,तब मामला केवल पैसों का नहीं बल्कि विश्वास का बन जाता है,वायरल संदेशों में कुछ लोगों ने यह भी दावा किया कि कोरिया जिले से लगभग एक लाख रुपये तक की राशि एकत्र की गई थी,हालांकि इस राशि की आधिकारिक पुष्टि अभी तक किसी दस्तावेज से नहीं हुई है।

रसीदें हैं तो हिसाब भी होना चाहिए

सामाजिक संगठनों में चंदा संग्रह कोई नई बात नहीं है, लेकिन चंदे के साथ जवाबदेही भी जुड़ी होती है, यदि राशि एकत्र हुई थी तो उसका लेखा-जोखा होना चाहिए,यदि राशि जमा कर दी गई थी तो उसकी रसीद होनी चाहिए,यदि राशि नहीं पहुंची तो उसका कारण बताया जाना चाहिए, यही वे सवाल हैं जिनका जवाब अब समाज के सदस्य मांग रहे हैं।

समाज के भीतर बढ़ रही पारदर्शिता की मांग

इस पूरे विवाद के बाद समाज के कई वरिष्ठ सदस्यों का मानना है कि भविष्य में किसी भी सहयोग राशि का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए, कई सदस्य यह मांग कर रहे हैं कि जिलेवार सहयोग राशि, जमा राशि और खर्च का पूरा ब्यौरा समाज के सामने रखा जाए ताकि किसी प्रकार की भ्रांति या विवाद की स्थिति उत्पन्न न हो।

विवाद से ज्यादा चिंता समाज की छवि की

सामाजिक संगठनों का उद्देश्य समाज को जोड़ना होता है, लेकिन जब आरोप और प्रत्यारोप सार्वजनिक मंचों पर आने लगें तो सबसे ज्यादा नुकसान संगठन की साख को होता है, आज सोशल मीडिया और व्हाट्सएप के दौर में कोई भी संदेश कुछ ही मिनटों में सैकड़ों लोगों तक पहुंच जाता है, ऐसे में समाज के भीतर चल रही खींचतान भी अब सार्वजनिक चर्चा का विषय बन चुकी है।

अब सभी की नजर जवाब पर

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या संबंधित पदाधिकारी इस पूरे मामले पर विस्तृत स्पष्टीकरण देंगे? क्या सहयोग राशि का पूरा हिसाब सार्वजनिक किया जाएगा? और क्या समाज के भीतर उठ रहे सवालों का संतोषजनक जवाब मिलेगा? क्योंकि समाज के लोग अब केवल यह नहीं पूछ रहे कि पैसा आया या नहीं आया, बल्कि यह भी पूछ रहे हैं कि यदि पैसा समाज के नाम पर लिया गया था तो उसका हिसाब समाज को क्यों नहीं दिया गया? जब तक इन सवालों का स्पष्ट उत्तर सामने नहीं आता, तब तक सहयोग राशि का यह विवाद साहू समाज की बैठकों से लेकर व्हाट्सएप ग्रुपों तक चर्चा का विषय बना रहेगा। और तब तक वह एक वाक्य भी लोगों के बीच गूंजता रहेगा–पर्सनल में बात करो, नहीं तो पेपर में छप जाएगा...।

मुंबई टेरर अटैक की अन्टोल्ड स्टोरी भारत भाग्य विधाता

कार्तिकेय के बाद अब होगा स्वयंभू का तांडव

निखिल सिद्धार्थ का ट्रांसफॉर्मेशन खड़े कर देगा रोंगटे

निखिल सिद्धार्थ अपनी अपकमिंग फिल्म स्वयंभू में एक योद्धा के रूप में नजर आएंगे, जिसके लिए उन्होंने 45 दिनों की कड़ी ट्रेनिंग ली है। हिंदी सिनेमा में इस वक्त अलग-अलग विषयों पर फिल्में बनाने से फिल्ममेकर्स पीछे नहीं हट रहे हैं। साई-फाई से लेकर लोककथाओं और इतिहास पर फिल्में बन रही हैं। अब आपको कार्तिकेय फिल्म याद ही होगी। साल 2022 में इस फिल्म का दूसरा पार्ट आया था और अब इसी फिल्म के लीड एक्टर सिद्धार्थ की अगली फिल्म आ रही है, जो पहले ही खबू चर्चाओं में हैं।

स्वयंभू के लिए सिद्धार्थ की मेहनत

अभिनेता निखिल सिद्धार्थ एक बार फिर से अपने फैंस के दिलों पर छाने के लिए आ रहे हैं। निखिल सिद्धार्थ फिल्म स्वयंभू में दिखने वाले हैं। अब चाहे फिल्म का टीजर हो या पहला सिंगल रा रा धीवरा,स्वयंभू की हर एक झलक ने फैंस का दिल पहले ही जीत लिया है। टीजर और पोस्टर्स के बाद मेकर्स ने अब निखिल सिद्धार्थ की 45 दिनों की कड़ी ट्रेनिंग जर्नी की एक बिहाइंड-द-सीन्स झलक शेयर की है, जिसमें वो फिल्म के लिए एक योद्धा के रूप में ट्रांसफॉर्म होते नजर आ रहे हैं। निखिल के जन्मदिन के मौके पर रिलीज हुए इस वीडियो में वो इंटरनेशनल स्टंट टीमों के साथ ट्रेनिंग करते और बेहद मुश्किल एक्शन सीन्स की तैयारी करते दिख रहे हैं।

दिलचस्प है फिल्म की कहानी

फिल्म स्वयंभू की कहानी भारतीय इतिहास और पौराणिक कथाओं पर आधारित एक भव्य एतिहासिक-एक्शन ड्रामा है। स्वयंभू की कहानी हमारे प्राचीन और पवित्र प्रतीक सेंगोल से प्रेरित है। सेंगोल,जिसे न्याय, धर्म और अटूट शक्ति का प्रतीक माना जाता है, उसी पर फिल्म आधारित होगी। स्वयंभू भारतीय इतिहास के उस गौरवशाली पन्ने को पर्दे पर लाएगी, जो सेंगोल के इतिहास से जुड़ा है। हालांकि फिल्म में एक अलग सदी की कहानी और उस कहानी में दिखे योद्धा पर आधारित होगी। फिल्म को काफी भव्य तरीके से बनाया गया है। इस फिल्म के लिए इंडस्ट्री के टॉप-क्लास टेक्नीशियन्स और क्रिएटिव लोग एक साथ आए हैं। डायरेक्टर भरत कृष्णमाचारी के डायरेक्शन में बन रहे इस प्रोजेक्ट में केजीएफ और सालार फेम रवि बसूर का दमदार म्यूजिक है। वहीं,बाहुबली और आरआरआर के सिनेमैटोग्राफर के.के. सेंथिल कुमार ने इसके कमाल के विजुअल्स को शूट किया है, और एडिटिंग बाहुबली फेम थम्मिराजू ने की है।स्वयंभू को पिक्सेल स्टूडियोज के भुवन और श्रीकर ने प्रोड्यूस किया है। भारत के समृद्ध इतिहास और उसकी अमर गाथा की कहानी को बयां करने वाली ये फिल्म जल्द ही समर 2026 में रिलीज होने जा रही है।

रोंगटे खड़े कर देगा कंगना की फिल्म का ट्रेलर

एक्ट्रेस कंगना रनौत की अपकमिंग फिल्म भारत भाग्य विधाता का लेटेस्ट ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। हिंदी सिनेमा की मशहूर अभिनेत्री कंगना रनौत लंबे समय में अपनी आने वाली फिल्म भारत भाग्य विधाता को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। मेकर्स की तरफ से अब कंगना की इस मूवी का लेटेस्ट ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जिससे ये साफ हो गया है कि भारत भाग्य विधाता साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले की पृष्ठभूमि पर आधारित है। लेकिन कंगना रनौत की भारत भाग्य विधाता में मुंबई टेरर अटैक एक अन्टोल्ड स्टोरी को दर्शाया गया है, जिसका अंदाज आप इसका ट्रेलर देखकर आसानी से लगा सकते हैं।

रिलीज हुआ भारत भाग्य विधाता का ट्रेलर

कंगना रनौत स्टारर भारत भाग्य विधाता का

निर्देशन फेमस डायरेक्टर मनोज तापड़िया ने किया है। मंगलवार को कंगना ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर भारत भाग्य विधाता का लेटेस्ट ट्रेलर शेयर किया है। इस ट्रेलर में आप देख सकते हैं कि ये फिल्म पूरी तौर से मुंबई में हुए 26/11 के आतंकी हमले पर बेस्ड है। जिसमें एक हॉस्पिटल में मौजूद नर्स के समूह ने बहादुरी का परिचय देते हुए लोगों की जान बचाई। फिल्म का ट्रेलर काफी शानदार हैं, जिसे देखकर आपके भी रौंगटे खड़े हो जाएंगे। भारत भाग्य विधाता का ये ट्रेलर देखकर फैंस की एक्साइटमेंट सातवें आसमान पर पहुंच गई है और वे इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार करने लगे हैं। कंगना रनौत फिल्म में अपनी किरदार में हमेशा की तरह दमदार नजर आ रही हैं, जो इस बात की गारंटी देता है कि यकीनन तौर पर उनकी ये आने वाली फिल्म सिनेमा जगत के लिए एक नई मिसाल बनेगी।

कब रिलीज होगी भारत भाग्य विधाता

कंगना रनौत की अपकमिंग फिल्म भारत भाग्य विधाता का ट्रेलर देखने के बाद हर कोई इसकी रिलीज के बारे में चर्चा कर रहा है। आपको बता दें कि 12 जून 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में भारत भाग्य विधाता को रिलीज किया जाएगा। कंगना के अलावा फिल्म में गिरिजा ओक, स्मिता तांबे, और प्रिया अरुण बेर्डे जैसी अभिनेत्रियों ने भी अहम भूमिका अदा की है।

अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' 12 जून को ओटीटी पर रिलीज़

बॉलीवुड के लोकप्रिय अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन की नई फिल्म 'भूत बंगला' अब सिनेमाघरों की सफलता के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ होने जा रही है। फिल्म की हॉरर-कॉमेडी शैली ने दर्शकों का दिल जीत लिया है और बॉक्स ऑफिस पर भी इसने अच्छी खासी कमाई की। खबरों के अनुसार, फिल्म 12 जून को नेटफ्लिक्स पर दर्शकों के लिए उपलब्ध हो जाएगी। हालांकि, निर्माताओं की तरफ से अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। फिल्म की रिलीज़ की यह योजना दर्शकों के लिए खास है क्योंकि सिनेमाघरों में देखने वाले लोग अब घर पर आराम से इस फिल्म का आनंद ले सकेंगे। भूत बंगला' में अक्षय कुमार के साथ प्रियदर्शन की जोड़ी ने लंबे समय बाद कमाल की वापसी की है। फिल्म में हास्य और डर का मिश्रण दर्शकों को काफी पसंद आया। हॉरर-कॉमेडी की इस शैली ने विशेष रूप से युवा दर्शकों को आकर्षित किया। सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के दौरान फिल्म ने पहले हफ्ते ही अच्छी कमाई दर्ज की, जिससे यह साबित हो गया कि दर्शक इस जोड़ी की फिल्मों का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। फिल्म की कहानी और कॉमिक टाइमिंग ने दर्शकों को खूब एंटरटेन किया। हॉरर-कॉमेडी शैली की यह फिल्म पारंपरिक हॉरर या सामान्य कॉमेडी फिल्मों से अलग थी। फिल्म की सफलता के बाद निर्माताओं ने इसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज़ करने का निर्णय लिया। यह कदम दर्शकों को बड़े पर्दे के अनुभव के साथ-साथ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर सुविधा भी प्रदान करता है।

36 सालों से रिलीज के लिए तरसती रही शाह रुख खान की फिल्म,मुहूर्त के बाद हुई थी डिब्बा बंद

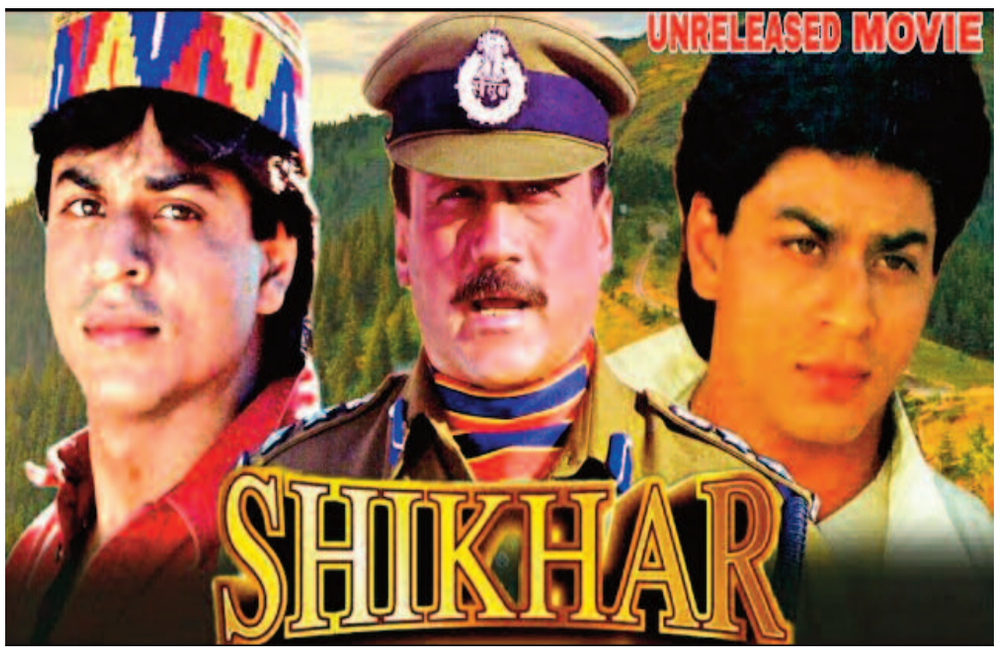

सुपरस्टार शाह रुख खान की एक पुरानी फिल्म ऐसी है, जो 36 सालों से सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तरसती रही। हिंदी सिनेमा के मेगा सुपरस्टार के तौर पर शाह रुख खान को जाना जाता है। 3 दशक से ज्यादा लंबे फिल्मी करियर में किंग खान ने कई शानदार मूवीज के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि 36 साल पहले शाह रुख की एक बहुचर्चित फिल्म का एलान धूमधाम से हुआ था। बाद में जाकर उनकी वह फिल्म ठंडे बस्ते में चली गई थी। आइए जानते हैं कि शाह रुख खान की वह फिल्म कौन सी है, जो कभी भी रिलीज नहीं हो पाई।

नहीं रिलीज हुई शाह रुख खान की ये फिल्म

90 के दशक में शाह रुख खान ने एक दमदार अभिनेता के तौर पर अपनी छाप छोड़ी। ज्यादातर फिल्ममेकर्स उन्हें अपनी मूवीज में कास्ट करना चाहते। इस आधार पर उन्हें बैक टू बैक कई फिल्मों के ऑफर मिले। उनमें से एक फिल्म निर्देशक सुभाष घई की फिल्म शिखर का भी रहा,जिसका आधिकारिक एलान 1990 में हुआ था। शाह रुख खान को इस मूवी के लिए लीड रोल में कास्ट किया गया था। लेकिन मूवी के रिकॉर्ड्स और मुहूर्त होने के बाद इसे बंद करन पड़ा और फिर कभी शाह रुख खान की शिखर सिनेमाघरों में रिलीज नहीं हो सकी। इस फिल्म के बंद होने की पीछे की वजह सुभाष घई ने समाचार एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में बताई और कहा-त्रिमूर्ती की असफलता के बाद शिखर पर ताला लगा। हम इसे एक बड़ी फिल्म के तौर पर देख रहे थे,चूंकि शाह रुख फिल्म के लीड हीरो थे, तो हमें उम्मीद थी कि ये एक अच्छी फिल्म बनेगी। लेकिन कुछ चीजें समय के साथ हमारे हाथों में नहीं रहतीं। इस तरह से सुभाष घई ने शाह रुख खान की शिखर के डिब्बा बंद होने को लेकर अहम जानकारी साझा की।

इस एक्ट्रेस के साथ बनने वाली थी जोड़ी

सुभाष घई की शिखर में शाह रुख खान के साथ अभिनेत्री माधुरी दीक्षित की जोड़ी बनने वाली थी। ये दोनों कलाकार फिल्म दिल तो पागल है, कोयला और अंजाम जैसी कई फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं। अगर शिखर बनती तो यकीनन तौर पर सिनेमाघरों में ये फिल्म अपनी छाप छोड़ती। बता दें कि शाह रुख की अगली फिल्म का नाम किंग है, जो 24 दिसंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मेरी जिंदगी है तू' के बाद हानिया आमिर का अगला बड़ा प्रोजेक्ट

जब से ब्लॉकबस्टर पाकिस्तानी ड्रामा मेरी जिंदगी है तू खत्म हुआ है, फैंस बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं कि एक्टर हानिया आमिर ने आगे क्या प्लान किया है। ड्रामा खत्म होने के तुरंत बाद, हानिया के बिलाल अब्बास खान के साथ एक और प्रोजेक्ट के लिए फिर से जुड़ने की खबरें ऑनलाइन आने लगीं। हालांकि,मेकर्स की तरफ से कोई ऑफिशियल कन्फर्मेशन नहीं आया। अब, हानिया आमिर के

आने वाले ड्रामा के बारे में नई डिटेल्स सामने आई हैं। क्रिटिक एजाज़ वारिस के मुताबिक, हानिया इस वीकेंड एक बिल्कुल नए ड्रामा सीरियल की शूटिंग शुरू करने वाली हैं। खबर है कि इस प्रोजेक्ट को बदर महमूद डायरेक्ट करेंगे, जिन्होंने हिट ड्रामा कभी मैं कभी तुम के लिए बहुत तारीफें बटोरी थीं, और यह जियो एंटरटेनमेंट पर एयर होगा। कहा जा रहा है कि इस ड्रामा को मशहूर स्क्रीनराइटर ज़ंजाबील आसिम शाह ने लिखा है। हालांकि टाइटल की ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है, लेकिन एजाज़ ने कन्फर्म किया है कि टेंटेटिव टाइटल फ़ना है। पहले, खबर थी कि हानिया के अपोजिट मेल लीड रोल के लिए बिलाल अब्बास खान से बात चल रही थी। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि बातचीत नहीं हो पाई, और मेकर्स अभी इस रोल के लिए दूसरे एक्टर को ढूंढ रहे हैं। मेल लीड का नाम जल्द ही सामने आने की उम्मीद है। खबर है कि यह ड्रामा 2026 के आखिर से पहले प्रीमियर हो सकता है। कास्ट, स्टोरीलाइन और रिलीज़ डेट के बारे में और डिटेल्स का अभी इंतज़ार है। मेरी ज़िंदगी है तू की सफलता के बाद हानिया आमिर के टेलीविज़न पर लौटने से, फैंस के बीच पहले से ही इस साल के सबसे ज़्यादा इंतज़ार किए जाने वाले पाकिस्तानी ड्रामा में से एक के लिए एक्साइटमेंट बढ़ रहा है।

खेल समाचार

आकिब नबी,टीम इंडिया में मिला मौका

आकिब नबी जम्मू-कश्मीर के एक बेहद प्रतिभाशाली तेज गेंदबाज हैं,जिन्होंने रणजी ट्रॉफी 2026 में 10 मैचों में 12.56 के अविश्वसनीय औसत से 60 विकेट लेकर घरेलू क्रिकेट में तहलका मचाया था...इसी प्रदर्शन के दम पर वे 8.40 करोड़ रुपये में दिल्ली कैपिटल्स का हिस्सा बने...अब उन्हें टीम इंडिया के स्क्वाड का भी हिस्सा बना लिया गया है...

नई दिल्ली,02 जून 2026। जब हौसलों में उड़ान और इरादों में कश्मीर की वादियों जैसी मजबूती हो, तो कामयाबी को आपके कदमों में झुकना ही पड़ता है। कुछ ऐसी ही कहानी है जम्मू-कश्मीर के नए तेज गेंदबाजी सनसनी आकिब नबी की। घरेलू क्रिकेट के रणजी सीजन में अपनी आग उगलती गेंदों से बल्लेबाजों के स्टंप्स उखाड़ने वाले आकिब नबी आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं।

19 मई को जब अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए टीम इंडिया का एलान हुआ, तो आकिब को न पाकर पूरा सोशल मीडिया चयनकर्ताओं पर भड़क उठा था। लेकिन कहते हैं न कि प्रतिभा को ज्यादा दिनों तक पिंजरे में कैद नहीं रखा जा सकता, आखिरकार अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति को झुकना पड़ा और आकिब नबी की सरप्राइज एंट्री सीधे टीम इंडिया के टेस्ट कैम्प में हो गई। आइए जानते हैं कश्मीर के इस रफ्तार के सौदागर के बारे में।

कैसा रहा आकिब का करियर

आकिब नबी मुख्य रूप से दाएं हाथ के तेज गेंदबाज की भूमिका निभाते हैं। घरेलू क्रिकेट में वे जम्मू और कश्मीर की टीम का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि दुनिया की सबसे अमीर क्रिकेट लीग आईपीएल में वे दिल्ली कैपिटल्स की टीम का हिस्सा हैं। उनके अब तक के करियर का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट जम्मू-कश्मीर को पहली बार रणजी ट्रॉफी चैंपियन बनाना रहा है। उनकी दमदार गेंदबाजी के कही कारण जम्मु-कश्मीर की टीम चैंपियन बनी थी। आकिब नबी ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में अपनी कातिलाना गेंदबाजी से तबाही मचाते हुए राष्ट्रीय चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। उनके फर्स्ट क्लास आंकड़े किसी भी विश्व स्तरीय गेंदबाज को टक्कर देते हैं। उन्होंने रणजी ट्रॉफी में केवल 10 मुकाबलों में जम्मू-कश्मीर के लिए सबसे ज्यादा 60 विकेट चटकाए। इस दौरान उनका गेंदबाजी औसत महज 12.56 का रहा, जो उनकी कसी हुई लाइन-लेंथ को दर्शाता है। इस शानदार सफर के दौरान उन्होंने एक ही सीजन में सात बार पारी में 5 या उससे ज्यादा विकेट लेने का कारनामा भी किया। आकिब ने 41 फर्स्ट क्लास मैचों में 156 विकेट झटके हैं। वहीं लिस्ट ए में उन्होंने 36 मैचों में 56 विकेट झटके हैं।

आईपीएल 2026 में करोड़ों में बिके, लेकिन पहला सीजन रहा फीका

रणजी ट्रॉफी में आकिब के जादुई प्रदर्शन का असर आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में साफ देखने को मिला, जहां फ्रैंचाइजी उनके पीछे दीवानी नजर आईं। दिल्ली कैपिटल्स ने भारी-भरकम बोली लगाते हुए उन्हें 8.40 करोड़ रुपये की मोटी कीमत पर खरीदा, जिससे वे नीलामी में दिल्ली कैपिटल्स के सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ियों में से एक बन गए। हालांकि, उनका पहला आईपीएल सीजन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा और उन्हें केवल 5 मैचों में खेलने का मौका मिला, जिसमें वे एक भी विकेट हासिल नहीं कर सके।

टीम इंडिया के कैम्प में एंट्री

अफगानिस्तान के खिलाफ 6 जून से मुल्तांपुर में होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच से ठीक पहले आकिब नबी को बैकअप खिलाड़ी के रूप में भारतीय टीम के कैम्प में शामिल किया गया है। शुरुआती टेस्ट टीम के ऐलान के समय जसप्रीत बुमराह को आराम मिलने के बाद आकिब की जगह गुरनूर बरार को चुना गया था, जिस पर अजीत अगरकर की चयन समिति को काफी आलोचना और ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। भले ही वे वर्तमान में आधिकारिक स्क्वॉड का हिस्सा नहीं हैं, लेकिन शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम के साथ वे लगातार नेट प्रैक्टिस कर रहे हैं। चयनकर्ताओं की नजर अक्टूबर में होने वाले न्यूजीलैंड दौरे पर है, जहां की तेज और मददगार पिचों पर आकिब नबी भारत के लिए एक बड़ा सरप्राइज वेपन साबित हो सकते हैं।

साईराज बहुतुले को बनाया गया स्पिन-बॉलिंग कोच

नई दिल्ली,02 जून 2026। भारत के पूर्व लेग-स्पिनर साईराज बहुतुले, अफगानिस्तान के खिलाफ 6 से 10 जून तक न्यू चंडीगढ़ में होने वाले एकमात्र टेस्ट से पहले पुरुषों की नेशनल टीम में स्पिन-बॉलिंग कोच के तौर पर शामिल हो गए हैं। 53 साल के साईराज सभी फॉर्मेट में भारत के स्पिन डिपार्टमेंट की देखरेख करेंगे। बहुतुले इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में पंजाब किंग्स के साथ काम करने के बाद भारतीय कैंप में शामिल हुए हैं, जहाँ उन्होंने फ्रेंचाइजी के स्पिन-बॉलिंग कोच के तौर पर काम किया था। पिछले कुछ सालों में,पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने घरेलू टीमों केरल और बंगाल के साथ काम करने के साथ-साथ 2018 और 2021 के बीच राजस्थान रॉयल्स के साथ समय बिताते हुए कोचिंग का बहुत अनुभव हासिल किया है। बाद में वह नेशनल क्रिकेट एकेडमी में शामिल हो गए,जहाँ उन्होंने इंडिया टीमों के साथ काम किया और पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ के अंडर कई सीनियर पुरुषों के असाइनमेंट के दौरान सपोर्ट स्टाफ का हिस्सा थे। बहुतुले आईपीएल 2025 सीज़न के लिए राजस्थान लौटे और फिर पंजाब किंग्स के साथ अपनी नई भूमिका निभाई।

अतीका मीर ने रेसिंग में रचा इतिहास

नई दिल्ली,02 जून 2026। भारतीय युवा रेसर अतीका मीर ने अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग प्रतियोगिता चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर एकेडमी प्रोग्राम के राउंड 2 में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने करियर का अब तक का सबसे बेहतरीन प्रदर्शन किया है। सिर्फ 11 साल की उम्र में उन्होंने क्वालिफाइंग, हीट रेस और फाइनल–तीनों में क्लीन स्वीप कर सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। अतीका मीर को फॉर्मूला 1 एकेडमी से समर्थन पाने वाली पहली भारतीय रेसर होने का गौरव प्राप्त है। उन्होंने ओके-एनजी कैटेगरी (12-14 आयु वर्ग) में प्रतिस्पर्धा करते हुए बेहद मजबूत और अनुभवी ड्राइवर्स के बीच अपनी अलग पहचान बनाई। इस कैटेगरी में आमतौर पर अधिक उम्र और अनुभव वाले खिलाड़ी हिस्सा लेते हैं, लेकिन अतीका ने अपने प्रदर्शन से सभी को पीछे छोड़ दिया। प्रतियोगिता के पूरे वीकेंड में अतीका ने लगातार बेहतरीन रफ्तार और नियंत्रण का प्रदर्शन किया।

क्वालिफाइंग से लेकर दो हीट रेस और फाइनल तक उन्होंने हर चरण में बढ़त बनाए रखी और किसी भी मौके पर अपनी लीड को कमजोर नहीं होने दिया। उनकी रेसिंग तकनीक,आत्मविश्वास और ट्रैक पर नियंत्रण को विशेषज्ञों ने बेहद सराहा है। इस उपलब्धि के साथ अतीका मीर इस सीरीज़ के इतिहास में केवल तीसरी ड्राइवर बन गई हैं, जिन्होंने क्वालिफाइंग,हीट्स और फाइनल में क्लीन स्वीप किया है। यह उपलब्धि उन्हें अंतरराष्ट्रीय कार्टिंग जगत में एक उभरते हुए स्टार के रूप में स्थापित करती है।

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने जारी किया सप्लीमेंट्री परीक्षा का टाइम टेबल

8 जुलाई से शुरू होंगी 10वीं-12वीं की परीक्षाएं

रायपुर,02 जून 2026। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल ने साल 2026 की हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी द्वितीय मुख्य/अवसर (सप्लीमेंट्री) परीक्षा की समय-सारिणी जारी कर दी है। मंडल की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दोनों परीक्षाएं जुलाई में आयोजित होंगी। हायर सेकेंडरी (कक्षा 12वीं) द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा 8 जुलाई 2026 से शुरू होगी और 22 जुलाई 2026 तक चलेगी। हाईस्कूल (कक्षा 10वीं) द्वितीय मुख्य/अवसर परीक्षा 9 जुलाई 2026 से शुरू होकर 21 जुलाई 2026 तक आयोजित की जाएगी। दोनों परीक्षाओं का समय सुबह 9 बजे से दोपहर 12:15 बजे तक निर्धारित किया गया है। मंडल ने बताया कि विषयवार विस्तृत परीक्षा कार्यक्रम उसकी आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। परीक्षार्थी विस्तृत टाइम टेबल देखकर अपनी तैयारी की योजना बना सकते हैं। मुख्य परीक्षा में असफल रहे या अंक सुधारने का अवसर चाहने वाले विद्यार्थियों के लिए यह परीक्षा महत्वपूर्ण होगी। बोर्ड ने छात्रों से निर्धारित तिथियों के अनुसार परीक्षा की तैयारी करने और नियमित रूप से मंडल की वेबसाइट पर अपडेट देखने की अपील की है।

रायपुर कमिश्नरेट को मिले 60 नए एसआई...थानों में शुरू होगी व्यावहारिक ट्रेनिंग,कानून की बारीकियां सीखेंगे

रायपुर,02 जून 2026। रायपुर पुलिस कमिश्नरेट को 60 नए एसआई (उप निरीक्षक) मिले हैं। बेसिक ट्रेनिंग पूरी करने के बाद इन सभी अधिकारियों को अब व्यावहारिक प्रशिक्षण के लिए शहर के कई थानों में पदस्थ किया गया है। रायपुर पुलिस कमिश्नर ने इसके लिए पदस्थापना आदेश जारी कर दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार, नए एसआई को कानून-व्यवस्था,अपराध जांच और पुलिसिंग के व्यावहारिक अनुभव के लिए अलग-अलग थानों में तैनात किया गया है। सबसे अधिक तीन-तीन एसआई की पदस्थापना खम्हारडीह,खमतराई,कबीर नगर,गोलबाजार,मोहदापारा, कोतवाली,सिविल लाइन,टिकरापारा,पंडरी,पुरानी बस्ती,राजेंद्र नगर, डीडी नगर,उरला, तेलीबांधा,आमानाका,आजाद चौक और गंज थानों में की गई है। वहीं गुढ़ियारी,मुजगहन, सरस्वती नगर और देवेंद्र नगर थानों में दो-दो एसआई को प्रशिक्षण के लिए भेजा गया है। नए अधिकारियों को अनुभवी पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्य करने का अवसर मिलेगा। जिससे वे पुलिस कार्यप्रणाली,अपराध अनुसंधान और जनता से जुड़ी जिम्मेदारियों को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार,यह प्रशिक्षण अवधि नए एसआई के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगी। इस दौरान उन्हें थाना संचालन,अपराध नियंत्रण,शिकायतों के निराकरण और कानून-व्यवस्था बनाए रखने की बारीकियों की जानकारी दी जाएगी। रायपुर कमिश्नरेट में 60 नए एसआई की तैनाती से पुलिस बल को मजबूती मिलेगी और थानों में कार्यभार का बेहतर प्रबंधन हो सकेगा। साथ ही आम जनता को भी पुलिस सेवाओं का अधिक प्रभावी लाभ मिलने की उम्मीद है।

स्ट्रीट वेंडर्स को केवल ऋण ही नहीं,सुरक्षा और सम्मान से भरा जीवन भी मिले : अरुण साव

रायपुर,02 जून 2026। मेहनतकश स्ट्रीट वेंडर्स के जीवन में बदलाव लाने भारत सरकार द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर निधि योजना के छह साल पूरे होने के मौके पर नगरीय निकायों में 30 जून तक लोक कल्याण मेलों के आयोजन किए जाएंगे। साथ ही जिला मुख्यालय वाले सभी नगरीय निकायों में जिला स्तरीय स्वनिधि महोत्सवों का भी आयोजन किया जाएगा। इन दोनों आयोजनों के माध्यम से सड़क किनारे रोजी-रोटी कमाने वालों को अपने व्यवसाय को मजबूत करने सुगमता से ऋण उपलब्ध कराने के साथ ही उनके परिवारों को सम्मान,सुरक्षा और आत्मनिर्भरता से जोड़ा जाएगा। राज्य शासन ने स्वनिधि महोत्सव और लोक कल्याण मेलों के आयोजन के लिए सभी नगरीय निकायों को परिपत्र जारी कर विस्तृत दिशा-निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने मंत्रालय से जारी परिपत्र में नगर निगमों के आयुक्तों तथा नगर पालिकाओं एवं नगर पंचायतों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को इस अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पथ विक्रेताओं (स्ट्रीट वेंडर्स),शहरी गरीबों एवं असंगठित श्रमिकों को वित्तीय समावेशन,डिजिटल सशक्तीकरण और सामाजिक सुरक्षा के लाभों से जोड़ने के निर्देश दिए हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग की सचिव शंगीता आर. ने बताया कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में लोक कल्याण मेले लगाए जाएंगे, जबकि जिला मुख्यालयों में विशेष रूप से स्वनिधि महोत्सव आयोजित किए जाएंगे। इन आयोजनों में बैंकों के प्रतिनिधि छोटे व्यापारियों को ऋण स्वीकृति, वितरण, यूपीआई पंजीयन, क्यू-आर कोड सुविधा और डिजिटल भुगतान संबंधी सेवाएं तत्काल उपलब्ध कराएंगे। स्वनिधि महोत्सव और लोक कल्याण मेला छोटे व्यापारियों को आर्थिक मजबूती के साथ सामाजिक सम्मान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

विकास,विश्वास और सुशासन का सेतु बना कोण्डापल्ली का बेली ब्रिज

दूरस्थ क्षेत्रों तक विकास पहुंचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता : सीएम साय

रायपुर,02 जून 2026। जहां कभी दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां विकास की राह में चुनौती बनती थीं, वहां आज आधुनिक अधोसंरचना नए अवसरों के द्वार खोल रही है। प्रदेशव्यापी सुशासन तिहार के अंतर्गत मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज बीजापुर जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम कोण्डापल्ली पहुंचकर बीजापुर-पूवर्ती मार्ग पर निर्मित बेली ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने पुल की निर्माण तकनीक, उपयोगिता और क्षेत्र के विकास में उसकी भूमिका की जानकारी लेते हुए इसे बदलते बस्तर की नई तस्वीर का प्रतीक बताया। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि सड़क, पुल और अन्य आधारभूत सुविधाएं केवल निर्माण कार्य नहीं हैं, बल्कि वे दूरस्थ क्षेत्रों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और विकास की मुख्यधारा से जोड़ने वाले मजबूत माध्यम हैं। राज्य सरकार का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास की पहुंच समाज के अंतिम व्यक्ति तक हो।

कम समय, कम लागत और अधिक मजबूती की तकनीक

भारतीय सीमा सड़क संगठन द्वारा निर्मित यह बेली ब्रिज बीजापुर-पूवर्ती सड़क परियोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि बेली ब्रिज पारंपरिक पुलों की तुलना में अधिक किफायती, मजबूत और टिकाऊ होते हैं। इनका निर्माण सामान्य पुलों की अपेक्षा लगभग पांच गुना कम लागत में किया जा सकता है तथा इन्हें मात्र एक माह के भीतर तैयार किया जा सकता है। दुर्गम और संवेदनशील क्षेत्रों में त्वरित कनेक्टिविटी स्थापित करने के लिए यह तकनीक अत्यंत प्रभावी सिद्ध हो रही है।

बीजापुर में 21 बेली ब्रिज बने विकास के वाहक

उल्लेखनीय है कि बीजापुर जिले में अब तक 21 बेली ब्रिजों का निर्माण किया जा चुका है। इन पुलों के निर्माण से दूरस्थ गांवों तक आवागमन सुगम हुआ है तथा लोगों को आवागमन, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच में बड़ी राहत मिली है। इन संरचनाओं ने क्षेत्र में विकास और जनसेवाओं के विस्तार को नई गति प्रदान की है। मुख्यमंत्री ने श्रमिकों की मेहनत और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि राज्य के श्रमिक और युवा ही विकास यात्रा के वास्तविक निर्माणकर्ता हैं।

बदलते बस्तर की नई पहचान

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि बस्तर में अधोसंरचना विकास के माध्यम से नई संभावनाओं का निर्माण हो रहा है। कोण्डापल्ली का यह बेली ब्रिज केवल एक पुल नहीं, बल्कि विकास, विश्वास और सुशासन का सशक्त प्रतीक है। यह उस नए बस्तर की पहचान है, जहां विकास अब दूरस्थ गांवों और दुर्गम अंचलों तक मजबूती से पहुंच रहा है तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है।

हाई कोर्ट से जिंदल स्टील को मिली राहत...153 करोड़ की रिकवरी पर लगाई रोक

बिलासपुर,02 जून 2026। जिंदल स्टील लिमिटेड की याचिका पर सुनवाई करते हुए छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाई कोर्ट के डिवीजन बेंच ने 153.55 करोड़ रुपये के रिकवरी नोटिस पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा व जस्टिस बीडी गुरु की डिवीजन बेंच ने कहा, किसी भी पक्ष को सुने बिना उस पर वित्तीय दायित्व नहीं थोपा जा सकता। कोर्ट ने स्पष्ट किया, प्रारंभिक स्तर पर सुनवाई का अवसर न देना पूरी निर्णय प्रक्रिया को दूषित कर देता है। कोर्ट ने इस मामले में पूर्व में पारित सिंगल बेंच के आदेश को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत नियामक आयोग को दो महीने के भीतर जिंदल स्टील को सुनवाई का अवसर देने और नए सिरे से निर्णय लेने के निर्देश दिया है। प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को सर्वोपरि बताते हुए हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने जिंदल स्टील लिमिटेड को बड़ी राहत दी है। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति बिभु दत्त गुरु की खंडपीठ ने 153.55 करोड़ रुपये के रिकवरी नोटिस को निरस्त करते हुए कहा है कि किसी भी पक्ष को सुने बिना उस पर वित्तीय दायित्व नहीं थोपा जा सकता।

रायपुर के मिवान स्टील प्लांट में भीषण आग 10 किलोमीटर दूर से दिखा धुएं का गुबार

रायपुर,02 जून 2026। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के मंदिर हसौद स्थित मिवान स्टील लिमिटेड प्लांट में मंगलवार सुबह भीषण आग लग गई। आग इतनी विकराल थी कि इसकी लपटें और आसमान में उठता काले धुएं का घना गुबार करीब 10 किलोमीटर दूर तक दिखाई देता रहा। घटना के बाद औद्योगिक क्षेत्र सहित आसपास के इलाकों में दहशत का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मंगलवार सुबह करीब 5:30 बजे प्लांट परिसर से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और प्लांट के एक बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। आग की ऊंची लपटें और धुएं का गुबार दूर-दूर तक नजर आने लगा। घटना की जानकारी मिलते ही कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने दमकल विभाग, पुलिस और प्रशासन को सूचना दी। सूचना मिलते ही रायपुर, मंदिर हसौद और आसपास के क्षेत्रों से दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। आग की गंभीरता को देखते हुए अतिरिक्त फायर ब्रिगेड वाहनों को भी बुलाया गया। करीब 5 घंटे तक चले राहत और बचाव अभियान के बाद दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस दौरान पानी और फोम का लगातार उपयोग कर आग को अन्य हिस्सों में फैलने से रोका गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और राजस्व विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। सुरक्षा कारणों से प्लांट के आसपास बैरिकेडिंग कर क्षेत्र को सील कर दिया गया और लोगों की आवाजाही सीमित कर दी गई।

12.5 करोड़ के फर्जी आईटीसी घोटाले में कबाड़ कारोबारी गिरफ्तार

रायपुर डीजीजीआई की कार्रवाई,यूपी से पकड़ा गया आरोपी...

रायपुर,02 जून 2026। 12.5 करोड़ रुपए के फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) घोटाले में डायरेक्टरेट जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलिजेंस (डीजीजीआई) रायपुर की टीम ने उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर से एक कबाड़ कारोबारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुलदीप उर्फ अभिषेक पाठक के रूप में हुई है। उस पर फर्जी कंपनियों के जरिए करोड़ों रुपए का आईटीसी हासिल कर दूसरे लोगों को ट्रांसफर करने का आरोप है। जांच एजेंसी के मुताबिक छत्तीसगढ़ में चल रही फर्जी आईटीसी घोटाले की जांच के दौरान अभिषेक पाठक का नाम सामने आया था। उसे पूछताछ के लिए कई बार नोटिस भेजे गए, लेकिन वह जांच में शामिल नहीं हुआ। इसके बाद डीजीजीआई की टीम शाहजहांपुर पहुंची और पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया।

बेटियों के नाम पर बनाई थीं फर्में : जांच में पता चला है कि अभिषेक पाठक ने रायपुर निवासी अमन सिंह के साथ मिलकर स्क्रैप कारोबार से जुड़ी कई फर्मों का संचालन किया। आरोप है कि इन फर्मों के जरिए केवल कागजों में कारोबार दिखाकर

करोड़ों रुपए का फर्जी टैक्स क्रेडिट लिया गया। अधिकारियों के अनुसार आरोपी ने अपनी बेटियों के नाम पर भी फर्में बनाई थीं। इनमें समृद्धि ट्रेडिंग और ख्याति इंटरप्राइजेज के नाम सामने आए हैं। जांच में इन फर्मों के जरिए भी टैक्स संबंधी गड़बड़ियों के संकेत मिले हैं।

कई राज्यों तक फैला हो सकता है नेटवर्क : जांच एजेंसियों का कहना है कि आरोपी से जुड़े नेटवर्क के जरिए करोड़ों रुपए के फर्जी टैक्स क्रेडिट का लेन-देन हुआ है। शुरुआती जांच में यह नेटवर्क कई राज्यों तक फैला होने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारियों को उम्मीद है कि जांच आगे बढ़ने पर कई और लोगों के नाम सामने आ सकते हैं।

घर से दस्तावेज और मोबाइल जब्त

डीजीजीआई की टीम ने आरोपी के घर से कई अहम दस्तावेज, मोबाइल फोन और अन्य रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। इनकी जांच की जा रही है। एजेंसी यह भी पता लगा रही है कि फर्जी कारोबार के जरिए हासिल रकम का इस्तेमाल कहां-कहां किया गया।

तेजी से बढ़ी संपत्ति भी जांच के दायरे में...

जांच एजेंसियां आरोपी की संपत्तियों की भी जानकारी जुटा रही हैं। बताया जा रहा है कि पिछले कुछ वर्षों में उसकी आर्थिक स्थिति में तेजी से बदलाव आया था। गांव में नया मकान, लग्जरी वाहन और अन्य संपत्तियों को लेकर भी जांच की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में कई महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां होने के साथ बड़े खुलासे भी हो सकते हैं।

छत्तीसगढ़ में बस किराया बढ़ाने की तैयारी! कई रूटों पर यात्रियों से वसूला जा रहा 200 से 400 रुपये अधिक किराया,सरकार ने मांगी रिपोर्ट...

रायपुर,02 जून 2026। छत्तीसगढ़ में बस यात्रियों पर जल्द महंगाई का एक और बोझ पड़ सकता है। प्रदेश में बस किराया बढ़ाने की मांग अब शासन स्तर तक पहुंच गई है। इस बीच कई रूटों पर निजी बस ऑपरेटरों द्वारा यात्रियों से 200 से 400 रुपये तक अधिक किराया वसूले जाने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। खास बात यह है कि राज्य सरकार की ओर से अभी तक किराया वृद्धि को लेकर कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। यात्रियों की शिकायतों और बस ऑपरेटरों की मांग के बीच अब पूरा मामला सरकार के विचाराधीन है। परिवहन विभाग और शासन स्तर पर किराया पुनरीक्षण को लेकर मंथन शुरू हो गया है।

परिवहन मंत्री तक पहुंचा मामला : छत्तीसगढ़ यातायात महासंघ ने हाल ही में परिवहन मंत्री केदार कश्यप को ज्ञापन सौंपकर बस किराए में बढ़ोतरी की मांग की थी। इसके

बाद परिवहन मंत्री ने परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक लेकर पूरे मामले की समीक्षा की। बैठक में परिवहन आयुक्त एस. प्रकाश, अपर परिवहन आयुक्त डी. रविशंकर, उप परिवहन आयुक्त मनोज ध्रुव और कृष्णा पटेल सहित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। मंत्री ने अधिकारियों को पूरे मामले पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने और नियमों के अनुसार कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

विभाग ने बस ऑपरेटरों से मांगा प्रस्ताव : सूत्रों के अनुसार परिवहन विभाग ने बस ऑपरेटरों की भी बैठक बुलाई है। विभाग ने प्रस्तावित किराया वृद्धि, उसके आधार और बढ़ती संचालन लागत से संबंधित जानकारी मांगी है। विभाग यह जानने की कोशिश कर रहा है कि किराया बढ़ाने की मांग कितनी व्यावहारिक और आवश्यक है।

कई रूटों पर बढ़ा किराया वसूलने की शिकायत : इधर प्रदेश के विभिन्न रूटों पर यात्रियों से पहले की तुलना में 200 से 400 रुपये तक अधिक किराया वसूले जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं। यात्रियों का आरोप है कि शासन की मंजूरी और आधिकारिक आदेश के बिना ही कुछ बस संचालक बढ़ा हुआ किराया ले रहे हैं। परिवहन विभाग ने भी स्वीकार किया है कि फिलहाल किराया वृद्धि को लेकर कोई अधिकृत आदेश जारी नहीं किया गया है।

पेंड्रा में सर्राफा व्यापारी को गोली मारने वाले 3 गिरफ्तार

कट्टा-कारतूस और लूटे गए जेवरात बरामद...

पेंड्रा,02 जून 2026। छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के चर्चित सर्राफा व्यापारी प्रदीप सोनी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। उनके कब्जे से हत्या में इस्तेमाल कट्टा, जिंदा कारतूस, सब्बल, मोबाइल फोन और चांदी के जेवरात बरामद किए गए हैं। दरअसल, कोटमी साप्ताहिक बाजार में प्रदीप सोनी ने दुकान लगाई थी। जब वे दुकान बंद कर रहे थे, तभी बाइक सवार बदमाश आए और उनसे सोने-चांदी का बैग छीन लिया। व्यापारी ने इसका विरोध किया तो सीने पर गोली मार दी और भाग निकले थे। जानकारी के अनुसार, मंगलवार (26 मई) शाम करीब 7 बजे 3 आरोपी एक पल्सर पर सवार होकर आए थे। बदमाशों ने सर्राफा व्यापारी प्रदीप सोनी को बेहद करीब से गोली मारी थी। दाहिने तरफ सीने में गोली लगी थी। सूचना मिलते ही कोटमी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। गंभीर रूप से घायल प्रदीप सोनी को तत्काल जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बिलासपुर में कॉलोनाइजर ने सरकारी जमीन पर किया कब्जा

4 निर्माणाधीन मकान और बाउंड्रीवॉल जमींदोज,बिजली पोल भी उखाड़े,निगम-कमिश्नर ने दिए एक्शन के निर्देश

बिलासपुर,02 जून 2026। बिलासपुर में कॉलोनाइजर ने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा कर प्लाटिंग कर दिया। अब निगम कमिश्नर ने अवैध कॉलोनाइजर्स के खिलाफ सख्ती दिखाई है। शहर के दो अलग-अलग बड़े प्रोजेक्ट्स पर निगम ने बुलडोजर चलाकर सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त किया है। साथ ही अवैध प्लाटिंग पर भी बुलडोजर चलाकर अवैध निर्माण को तोड़ दिया है। नगर निगम के जोन क्रमांक-1 पर सकरी क्षेत्र के सैदा रोड पर कालोनाइजर अनूप चड्ढा ने बिना अनुमति के करीब 3 एकड़ जमीन पर अवैध प्लाटिंग कराया जा रहा था। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और नगर निगम से बिना ले-आउट पास कराए कॉलोनी भी विकसित की जा रही थी। इसी तरह उसलापुर स्थित साईं मंगलम के पास भी शिवराज सिंह भी करीब 2 एकड़ भूमि पर अवैध प्लाटिंग कर रहा था। जबकि, नगर निगम ने इस तरह अवैध प्लाटिंग करने वालों को सख्त कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

कॉलोनाइजर के खिलाफ निगम की सख्ती : नगर निगम प्रशासन ने इस तरह अवैध कॉलोनी विकसित करने वालों के

खिलाफ सख्ती दिखाई है। प्रशासन की टीम ने इस कॉलोनी में बिछाई गई अवैध सड़कों को उखाड़ दिया। इसके साथ ही भूखंडों की मार्किंग के लिए खड़े किए गए बिजली के पोलों को भी निगम की टीम ने जब्त कर हटा दिया। निगम ने दूसरी बड़ी कार्रवाई ग्राम उसलापुर स्थित साईं मंगलम के पास की। यहां कॉलोनाइजर ने अवैध रूप से निर्माण कार्य भी शुरू करा दिया था। निगम के दस्ते ने यहां त्वरित कार्रवाई करते हुए बनाई गई सड़कों और बाउंड्रीवॉल को ध्वस्त कर दिया। इसके साथ ही मौके पर बन रहे 4 अवैध निर्माणाधीन मकानों को भी तोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान भवन अधिकारी अनुपम तिवारी, जोन कमिश्नर रंजना अग्रवाल, सहायक भवन अधिकारी आशीष पाण्डेय, उप अभियंता राघवेन्द्र सिंह राजपूत, उप अभियंता जुगल किशोर सिंह,उप अभियंता जोन क्रमांक-1 हितेश मक्कड़ समेत निगम व पुलिस की टीम मौजूद रही।

सरकारी जमीन से कब्जा हटा गया

अवैध प्लाटिंग के अलावा निगम ने सकरी क्षेत्र में ही सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने की बड़ी कार्रवाई की। यहां संजय भार्गव द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर मकान और पक्की बाउंड्रीवॉल का निर्माण कर लिया गया था। निगम की टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से निर्मित बाउंड्रीवॉल और मकान को पूरी तरह ढहा दिया और सरकारी जमीन को अपने नियंत्रण में ले लिया।

निगम कमिश्नर का दावा-जारी रहेगा अभियान

शहर में बिना किसी स्वीकृत योजना, ले-आउट और आवश्यक अनुमतियों के विकसित की जा रही अवैध कॉलोनियों से मास्टर प्लान और सुनियोजित विकास पर बाधा उत्पन्न होती है। यही वजह है कि अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इस तरह की कॉलोनियां भविष्य में यहां प्लॉट खरीदने वाले आम नागरिकों के लिए भी बड़ी मुसीबत बनती हैं। ऐसी जगहों पर आगे चलकर सड़क, पानी, बिजली, ड्रेनेज जैसी बुनियादी नागरिक सुविधाओं और आधारभूत संरचनाओं को लेकर गंभीर संकट खड़ा होता है।

बिलासपुर में ड्रोन कैमरे से 3.35 लाख का गांजा जब्त

सरकंडा पुलिस ने 7 को पकड़ा,5 नाबालिग शामिल,धारदार चाकू भी बरामद

बिलासपुर,02 जून 2026। बिलासपुर के सरकंडा पुलिस ने नशे के कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पहली बार ड्रोन कैमरे की मदद से गांजा तस्करों के नेटवर्क का खुलासा किया है। कुंदरूबाड़ी और चिंगराजपारा क्षेत्र में की गई छापेमार कार्रवाई में पुलिस ने 6.744 किलोग्राम अवैध गांजा जब्त किया है, जिसकी अनुमानित कीमत 3.35 लाख रुपये बताई जा रही है। मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 5 नाबालिग भी शामिल हैं। पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर में कुछ तस्कर कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए नाबालिग बच्चों का इस्तेमाल गांजा बेचने और सप्लाई करने में कर रहे हैं। इनपुट मिलने के बाद पुलिस ने विशेष रणनीति तैयार कर निगरानी शुरू की। पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह के निर्देश पर एडिशनल एसपी (सिटी) पंकज पटेल, सीएसपी

निमितेश सिंह के मार्गदर्शन और सरकंडा थाना प्रभारी प्रदीप कुमार आर्य के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई।

ड्रोन कैमरे से रखी गई निगरानी

पुलिस ने सरकंडा के संवेदनशील इलाकों में ड्रोन कैमरे के माध्यम से निगरानी शुरू की। इसी दौरान सोमवार सुबह सूचना मिली कि कुदरूबाड़ी, चिंगराजपारा क्षेत्र में कुछ लोग बड़ी मात्रा में गांजा बेचने और खपाने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना की पुष्टि होते ही पुलिस टीम ने तत्काल घेराबंदी कर मौके पर दबिश दी और आरोपियों को रंगे हाथ पकड़ लिया।

6.744 किलो गांजा और चाकू बरामद

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 6 .744 किलोग्राम गांजा, जिसकी कीमत लगभग 3 .35 लाख रुपये आंकी गई है, बरामद किया। इसके अलावा एक धारदार चाकू भी जब्त किया गया।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)